सत्यमेव जयते

प्रारम्भिक/माध्यमिक शिक्षा विभाग – राजस्थान सरकार

SIQE के अन्तर्गत

लर्निंग आउटकम्स अनुरूप सी.सी.ई./सी.सी.पी./ए.बी.एल. आधारित

आकलन सूचक अंकन पुस्तिका (चैकलिस्ट)

कक्षा : 1 से 5 तक

विषय : पर्यावरण अध्ययन

सत्र 2018–2019

एस.आई.ई.आर.टी., उदयपुर

शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

राजस्थान प्रारम्भिक शिक्षा परिषद

अधिगम प्रतिफल आधारित शिक्षण आकलन प्रक्रिया एवं संरचना

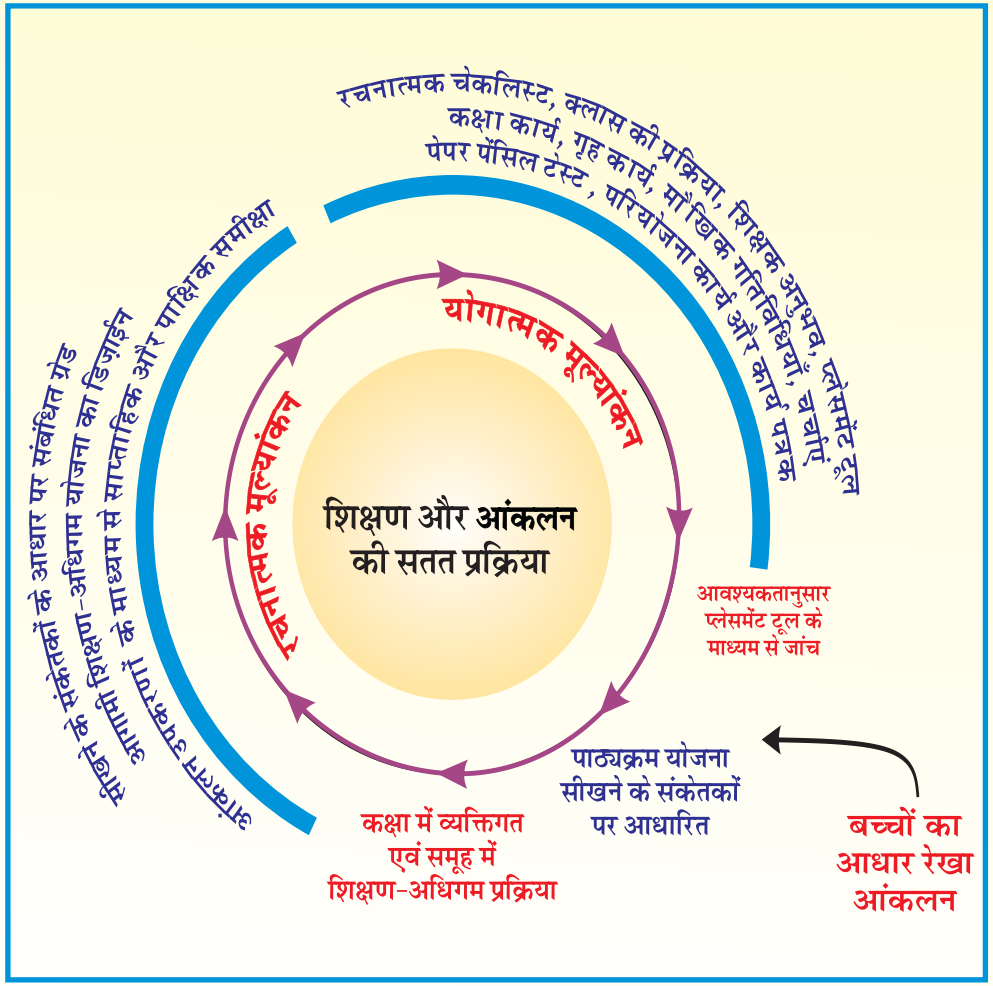

संरक्षक मण्डल एवं सामग्री निर्माण समूह

संरक्षक	:	श्री नरेश पाल गंगवार, प्रमुख शासन सचिव, स्कूल शिक्षा एवं भाषा विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर
सह–संरक्षक	:	डॉ. जोगाराम, आयुक्त, राजस्थान प्रारंभिक शिक्षा परिषद, जयपुर
	:	श्रीमती शिवांगी स्वर्णकार, निदेशक, राजस्थान माध्यमिक शिक्षा परिषद, जयपुर
	:	श्री श्याम सिंह राजपुरोहित, निदेशक, प्रारंभिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर
	:	श्री नथमल डिडेल, निदेशक, माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर
	:	डॉ. प्रिया बलराम, उपायुक्त **(SIQE)**, राजस्थान प्रारंभिक शिक्षा परिषद, जयपुर
	:	श्रीमती आभा बेनीवाल, उपायुक्त **(SIQE)**, राजस्थान माध्यमिक शिक्षा परिषद, जयपुर
मुख्य मार्गदर्शक	:	श्री दिनेश कोठारी, निदेशक, एस.आई.ई.आर.टी., उदयपुर
मार्गदर्शक	:	श्री सुभाष शर्मा, उपनिदेशक, एस.आई.ई.आर.टी., उदयपुर
परामर्शद्	:	डॉ. डी.डी. गौतम, उपनिदेशक (सीसीई), रा.प्रा.शि.परिषद्, जयपुर
	:	श्री मोहित कुमार, सहायक निदेशक (सीसीई), रा.प्रा.शि.परिषद्, जयपुर
	:	श्रीमती सुलगना रॉय, शिक्षा विशेषज्ञ, यूनीसेफ, जयपुर
	:	श्री प्रमोद कुमार चमोली, प्रभारी **(SIQE)** मा. शि. बीकानेर
प्रभारी अधिकारी	:	डॉ. गोविन्द सिंह, वरिष्ठ व्याख्याता, एस.आई.ई.आर.टी., उदयपुर
समन्वयक एवं प्रभारी	:	डॉ. अमृता दाधीच, व्याख्याता, एस.आई.ई.आर.टी., उदयपुर
सामग्री निर्माण समिति		
1. श्री देवीलाल ठाकुर	:	व्याख्याता, रा.उ.मा.वि. मादड़ी, झाड़ोल, उदयपुर
2. श्रीमती निर्मला जैन	:	सेनि. व्या., एस.आई.ई.आर.टी., उदयपुर
3. श्री मुकेश चन्द	:	व्याख्याता, रा.उ.मा.वि., रूदावल, भरतपुर
4. श्री नन्दकिशोर शर्मा	:	अध्यापक, निदेशालय प्रा.शि. बीकानेर
5. श्री बजरंग लाल सुथार	:	अध्यापक, रा.उ.मा.वि. मुण्ड़ा, हनुमानगढ
6. श्री मुकेश कुमार आमेटा	:	अध्यापक, रा.उ.प्रा.वि. ढीली का खेड़ा, राजसमन्द
7. श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा	:	प्रबोधक, रा.उ.प्रा.वि. गेला की भागल, राजसमन्द
8. श्री मनोज कुमार	:	सलाहकार **(SIQE)**, एस.आई.ई.आर.टी., उदयपुर (बोध शिक्षा समिति)
9. श्री प्रेमनारायण	:	सीनियर फैलो, बोध शिक्षा समिति, जयपुर
10. श्री चन्द्रशेखर दुबे	:	सलाहकार (यूनिसेफ), जयपुर
11. श्री पदमचन्द	:	जेड. एस. एफ., वाणी संस्था (यूनिसेफ), जयपुर

आकलन सूचक अंकन पुस्तिका (चैकलिस्ट) की प्रविष्टियों के लिए निर्देश

- यह पुस्तिका शिक्षक द्वारा वर्ष पर्यन्त विद्यार्थियों के साथ किए गए कार्यों की प्रगति का आईना है।
- सतत एवं व्यापक आकलन हेतु प्रस्तुत पुस्तिका में विद्यार्थियों के अधिगम क्षेत्रों के सापेक्ष रचनात्मक एवं योगात्मक आकलन को दर्ज किया जाना है।
- प्रस्तुत पुस्तिका में निम्नानुसार 5 प्रारूप दिए गए हैं–

  प्रारूप 1. विद्यार्थियों का टर्मवार विवरण।

  प्रारूप 2. टर्मवार सतत रचनात्मक आकलन का विवरण।

  प्रारूप 3. बुनियादी दक्षताओं से संबंधित सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

  प्रारूप 4. शिक्षक अनुभव

  प्रारूप 5. टर्मवार योगात्मक आकलन

- **प्रारूप 1 :विद्यार्थियों का टर्मवार विवरण** :–
  - प्रत्येक टर्म के प्रारम्भ में कक्षा में नामांकित विद्यार्थियों के अनुक्रमांक इस प्रारूप में लिखे जाने हैं। ध्यान रहे कि अनुक्रमांक अध्यापक योजना डायरी के आधार पर लिखे जावें।
  - टर्म 1 के प्रारम्भ की स्थिति में आधार रेखा/ पदस्थापन के आधार पर अनुक्रमांक लिखे जाने हैं।
  - टर्म 2 के प्रारम्भ की स्थिति में प्रथम टर्म के बाद से प्राप्त ग्रेड व कक्षा स्तर के आधार पर समूह के विद्यार्थियों के अनुक्रमांक लिखे जाने हैं।
  - टर्म 3 के प्रारम्भ की स्थिति में द्वितीय टर्म के बाद से प्राप्त ग्रेड व कक्षा स्तर के आधार पर समूह के विद्यार्थियों के अनुक्रमांक लिखे जाने हैं।
  - सत्रांत की स्थिति में SA 3 के बाद की स्थिति के आधार पर समूह के विद्यार्थियों के विद्यार्थियों के अनुक्रमांक लिखे जाने हैं।
- **प्रारूप 2 : टर्मवार सतत रचनात्मक आकलन का विवरण** :–
  - इस प्रारूप में विद्यार्थियों के अनुक्रमांक 1–30 तक अंकित है। कक्षा में 30 से अधिक नामांकन होने की स्थिति में अतिरिक्त पृष्ठ उपयोग में लिया जाना हैं।
  - इस प्रारूप में शिक्षक कक्षा में कार्य करते हुए विद्यार्थियों के अनुक्रमांक के कॉलम में A/B/C ग्रेड दर्ज करेंगे। एक रचनात्मक आकलन में दो आवृति निर्धारित है जिसकी पूर्ति कर ग्रेड अंकित की जानी है।
  - कक्षा 1 व 2 के पर्यावरण विषय में रचनात्मक आकलन में मौखिक गतिविधियों के आधार पर ग्रेड A/B/C दर्ज की जानी हैं।
- **प्रारूप 3 : बुनियादी दक्षताओं से संबंधित सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति** :–

- इस प्रारूप में शिक्षक समूह 2 के विद्यार्थियों के अनुक्रमांक लिखेंगे और उनके स्तरानुसार कार्य करते हुए प्रगति दर्ज करेंगे।
- **पर्यावरण अध्ययन विषय में बुनियादी दक्षताएँ भाषा एवं गणित विषय में समाहित है। अतः पर्यावरण अध्ययन विषय में यह प्रारूप नहीं दिया गया है।**
- प्रत्येक कक्षा के तृतीय टर्म के बाद पूर्व कक्षा की बुनियादी दक्षताओं की चैकलिस्ट दी गई है। जिसमें सम्बंधित विद्यार्थियों के रोल नं. लिखकर उनकी उपलब्धि प्रगति को दर्ज किया जाना है।
- शिक्षक प्रत्येक कक्षा में समूह 2 के विद्यार्थियों के साथ उनकी आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण कार्य करते हुए उन्हें समूह 1 में लाने का प्रयास करें।

- **प्रारूप 4 : शिक्षक अनुभव** :–
  - इस प्रारूप में शिक्षक आकलन के दौरान अनुभव की गई विशेष बातों, चुनौतियों व प्रमुख अनुभवों को लिखेंगे।
  - यह लेखन बच्चों के प्रगति दर्ज करने, योजना बनाने व शिक्षण प्रकिया में शिक्षक की मदद करेगा।
- **प्रारूप 5 : टर्मवार योगात्मक आकलन** :–
  - इस प्रारूप में विद्यार्थियों के अनुक्रमांक 1–30 तक अंकित है। कक्षा में 30 से अधिक नामांकन होने की स्थिति में अतिरिक्त पृष्ठ उपयोग में लिया जाना हैं।
  - इस प्रारूप में शिक्षक पोर्टफोलियों, रचनात्मक आकलन चैकलिस्ट, कक्षा–कार्य, गृह–कार्य, मौखिक क्रियाएँ परिचर्चा, कक्षा–कक्षीय प्रक्रिया, शिक्षक अनुभव एवं समयावधि पर किए जाने वाले पेपर पेंसिल टेस्ट के आधार पर ग्रेड दर्ज करेंगे।
  - ध्यान रहे कि योगात्मक आकलन से समेकित ग्रेड वार्षिक आकलन अभिलेख पंजिका में दर्ज करनी होगी। चूंकि यह शिक्षक की स्वायत्तता का क्षेत्र है। अतः इसका कोई गणितीय सूत्र निर्धारित नहीं है।
  - हिन्दी, अंग्रेजी व गणित में जिन अधिगम क्षेत्रों के सम्मुख कक्षास्तर अंकित है, उनके सामने सम्बंधित टर्म के दौरान विद्यार्थी के साथ जिस कक्षास्तर की दक्षता/ अवधारणा पर कार्य किया गया वह लिखा जाना है।
  - कक्षा 1 व 2 के पर्यावरण विषय में योगात्मक आकलन **SA-I** व **SA-III** में मौखिक गतिविधियों के आधार पर ग्रेड **A/B/C** दर्ज की जानी हैं।
  - यह प्रारूप इस पुस्तिका से पृथक कर वार्षिक आकलन अभिलेख पंजिका के साथ विद्यालय में स्थायी रूप से रखना होगा।
- **ग्रेड लिखने का आधार –**
  - **A** = स्वतन्त्र रूप से कार्य कर पाना या अपेक्षित स्तर की समझ/दक्षता होना।
  - **B** = शिक्षक की सहायता से कार्य कर पाना या मध्यम स्तर की समझ/दक्षता होना।
  - **C** = शिक्षक की विशेष सहायता से कार्य कर पाना या आरम्भिक स्तर की समझ/दक्षता होना।

प्रारूप–1

विद्यार्थियों के अनुक्रमांक (रोल नम्बर) का टर्मवार विवरण

नामांकित कक्षा	कक्षा 1	कक्षा 2	कक्षा 3	कक्षा 4	कक्षा 5
	विद्यार्थियों के अनुक्रमांक	विद्यार्थियों के अनुक्रमांक	विद्यार्थियों के अनुक्रमांक	विद्यार्थियों के अनुक्रमांक	विद्यार्थियों के अनुक्रमांक
टर्म.1 के प्रारम्भ की स्थिति					
टर्म.2 के प्रारम्भ की स्थिति					
टर्म.3 के प्रारम्भ की स्थिति					
सत्रान्त की स्थिति					

प्रारूप – 2 टर्मवार रचनात्मक आकलन का विवरण

प्रथम टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 1

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	अनुक्रमांक → / आवृति ↓	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
अवलोकन और दर्ज करना																															
परिवार के सदस्यों मे आपसी संबंधों को पहचान कर समझ पाना	I																														
	II																														
स्वच्छ एवं गंदे कपड़ों, पानी आदि में अंतर कर पाना।	I																														
	II																														
परिवेश से संबंधित चित्र पठन कर पाना यथा–पेड़ पौधों, जल स्रोतों, भोजन, शरीर के अंग, पोशाक आदि।	I																														
	II																														
संप्रेषण (अभिव्यक्ति/चर्चा) करना																															
अवलोकन, अनुभव एवं जानकारी के आधार पर आपसी संबंधों,सार्वजनिक स्थानों ,पेड़–पौधों, जल स्त्रोंतों एवं भोज्य पदार्थों के नाम बता पाना।	I																														
	II																														
विषय–वस्तु आधारित चर्चा कर अपने विचार समूह में रख पाना।	I																														
	II																														
वर्गीकरण करना																															
दिये गये समूह में से समान/ असमान वस्तुओं को पहचान पाना।	I																														
	II																														
बड़े समूह में से उपसमूह बना पाना।	I																														
	II																														
व्याख्या / विश्लेषण करना																															
देखी गई वस्तुओं, सुनी हुई कहानियों/ जानकारियों/तथ्यों के आधार पर व्याख्या कर पाना।	I																														
	II																														

प्रश्न करना																															
विषय–वस्तु, एवं परिवेशीय जानकारी हेतु परिचित/अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।	I																													
	II																													
प्रयोग करना																															
विषय–वस्तु से संबंधित उपलब्ध सामग्री से नई चीज बना पाना (जैसे– कागज से नाव,हवाई जहाज आदि)	I																													
	II																													
न्याय व समता के प्रति सरोकार																															
पेड़–पौधों की देखभाल कर पाना।	I																													
	II																													
पर्यावरण के प्रति संवेदनशील होना।	I																													
	II																													
एक–दूसरे के कार्यों का सम्मान व गुणों की प्रशंसा करना																															
अपने से बड़ों का सम्मान कर पाना।	I																													
	II																													
	I																													
	II																													
	I																													
	II																													
	I																													
	II																													
	I																													
	II																													

निर्देश– द्वितीय टर्म के प्रारंभ में पूर्व के टर्म उद्देश्यों का सुदृढ़ीकरण करें।

द्वितीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 1

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	अनुक्रमांक → / आवृति ↓	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
अवलोकन और दर्ज करना																															
विषयवस्तु से संबंधित मेलों/दर्शनीय स्थलों के बारे में बता पाना।	I																														
	II																														
स्थानीय दर्शनीय स्थलों/मेलों के बारे में बता पाना।	I																														
	II																														
संप्रेषण (अभिव्यक्ति/चर्चा) करना																															
अवलोकन/जानकारी के आधार पर खाद्य सामग्री के उत्पादन में लगे व्यक्तियों के बारे में बता पाना।	I																														
	II																														
अपने अनुभवों को सुना पाना, जैसे– मेले व दर्शनीय स्थल इत्यादि।	I																														
	II																														
वर्गीकरण करना																															
परिवार के सदस्यों के कार्यों का वर्गीकरण कर पाना।	I																														
	II																														
बड़े समूह में से उपसमूह बना पाना।	I																														
	II																														
व्याख्या / विश्लेषण करना																															
अपने घर व परिवेश के बारे में व्याख्या कर पाना।	I																														
	II																														
प्रश्न करना																															
विभिन्न प्रकार के व्यवसायों से जुड़े लोगों से प्रश्न कर पाना।	I																														
	II																														

प्रयोग करना																															
विभिन्न प्रकार के पक्षियों व जन्तुओं के आवासों के चित्र बना पाना।	I																														
	II																														
न्याय व समता के प्रति सरोकार																															
विभिन्न प्रकार के जीव–जन्तुओं के प्रति संवेदनशील होना।	I																														
	II																														
एक–दूसरे के कार्यों का सम्मान व गुणों की प्रशंसा करना																															
अपनों से बड़ों का सम्मान कर पाना।	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														

निर्देश– तृतीय टर्म के प्रारंभ में पूर्व के टर्म उद्‌देश्यों का सुदृढ़ीकरण करें।

तृतीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 1

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	अनुक्रमांक → / आवृति ↓	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
अवलोकन और दर्ज करना																															
चित्रों को देखकर यातायात व संचार के साधनों को पहचान पाना।	I																														
	II																														
संप्रेषण (अभिव्यक्ति/चर्चा) करना																															
अवलोकन/ जानकारी के आधार पर यातायात, संचार के साधनों के बारे में बता पाना।	I																														
	II																														
वर्गीकरण करना																															
यातायात व संचार के साधनों में अंतर कर पाना।	I																														
	II																														
व्याख्या / विश्लेषण करना																															
विभिन्न प्रकार के साधनों की व्याख्या कर पाना।	I																														
	II																														
प्रश्न करना																															
परिवार/ गांव/ मोहल्ले के लोगों से उनके उपयोग में लिए जाने वाले साधनों के बारे में प्रश्न कर पाना।	I																														
	II																														
प्रयोग करना																															
विभिन्न प्रकार के यातायात व संचार के साधनों के मॉडल/चित्र बना पाना।	I																														
	II																														
न्याय व समता के प्रति सरोकार																															
अन्यथा सक्षम (दिव्यांग) व सुविधावंचित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील होना।	I																														
	II																														
पर्यावरण के प्रति संवेदनशील होना।	I																														
	II																														

एक–दूसरे के कार्यों का सम्मान व गुणों की प्रशंसा करना																															
अपने से बड़ों का सम्मान कर पाना।	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														

निर्देशः– पुनरावृत्ति के दौरान आकलन दर्ज करने के लिए शिक्षक दिए गए सूचकों में उपसूचक लिख कर दर्ज करे।

योगात्मक आकलन को सत्रान्त में बिन्दुवार लाइन से पृथक करके "वार्षिक आकलन अभिलेख पंजिका" के साथ फाइल कर विद्यालय अभिलेख के रुप में सुरक्षित रखा जाना है।

प्रारूप –4 : शिक्षक अनुभव

प्रारूप–5 टर्मवार योगात्मक आकलन

कक्षा : 1

(योगात्मक आकलन की ग्रेड का निर्धारण पोर्टफोलियों, सतत रचनात्मक आकलन चैकलिस्ट कक्षा–कार्य,गृह–कार्य, योजना डायरी की समीक्षा, मौखिक क्रियाएँ, परिचर्चा, कक्षा–कक्षीय प्रक्रियाएँ, शिक्षक अनुभव एवं विद्यार्थी द्वारा किए गए कार्य व पेपर पेन्सिल टेस्ट आदि को ध्यान में रख कर किया जाना है।)

अधिगम क्षेत्रों के सापेक्ष आकलन सूचक	अनुक्रमांक → / टर्म ↓	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
अवलोकन और दर्ज करना																															
मेले/दर्शनीय स्थल के बारे में बता पाना।	I																														
	III																														
चित्रों के माध्यम से यातायात व संचार के साधनों को पहचान पाना।	I																														
	III																														
स्वच्छ व गंदे कपडों/ पानी में अंतर कर पाना।	I																														
	III																														
संप्रेषण (अभिव्यक्ति/चर्चा) करना																															
अवलोकन, जानकारी एवं विचार को बता पाना, जैसे– यातायात एवं संचार के साधन, फसल उत्पादन में लगे लोगों/ पेड़–पौधों/आपसी सम्बन्धो/सार्वजनिक स्थानों/जलस्रोतों/भोज्य पदार्थों के नाम इत्यादि।	I																														
	III																														
अपने अनुभवों को सुना पाना, जैसे–मेले/दर्शनीय स्थल/यातायात एवं संचार के साधन।	I																														
	III																														
विषय–वस्तु आधारित अपने विचार समूह में रख पाना।	I																														
	III																														

योगात्मक आकलन को सत्रान्त में बिन्दुवार लाइन से पृथक करके "वार्षिक आकलन अभिलेख पंजिका" के साथ फाइल कर विद्यालय अभिलेख के रुप में सुरक्षित रखा जाना है।

योगात्मक आकलन को सत्रान्त में बिन्दुवार लाइन से पृथक करके "वार्षिक आकलन अभिलेख पंजिका" के साथ फाइल कर विद्यालय अभिलेख के रुप में सुरक्षित रखा जाना है।

वर्गीकरण करना																														
दिये गये समूह में से समान/ असमान वस्तुओं को पहचान पाना यथा परिवार के सदस्यों के कार्यों, यातायात के साधन आदि।	I																													
	III																													
बड़े समूह में से उपसमूह बना पाना।	I																													
	III																													
व्याख्या / विश्लेषण करना																														
देखी गई वस्तुओं, जैसे– मेले, आस–पास के स्थान, जीव–जन्तु, यातायात/संचार के साधन के आधार पर व्याख्या कर पाना।	I																													
	III																													
प्रश्न करना																														
विषय–वस्तु के संबंध में परिचित/ अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना, जैसे– पेड़–पौधो/यातायात/संचार के साधन/ जीव–जन्तुओं के आवास आदि।	I																													
	III																													
प्रयोग करना																														
विषय–वस्तु से संबंधित सामग्री से नई चीज बना पाना, (जैसे– कागज से नाव, हवाई जहाज, जीव–जन्तुओं के आवास आदि।	I																													
	III																													
न्याय व समता के प्रति सरोकार																														
अन्यथा सक्षम (दिव्यांग) व सुविधा वंचित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील होना।	I																													
	III																													
पर्यावरण के प्रति संवेदनशील होना, यथा जीव–जन्तु, पेड़–पौधे इत्यादि।	I																													
	III																													

एक–दूसरे के कार्यों का सम्मान व गुणों की प्रशंसा करना																																
अपने से बड़ों का सम्मान कर पाना और कार्यों की प्रशंसा कर पाना।	I																															
	III																															
	I																															
	III																															
	I																															
	III																															
	I																															
	III																															

निर्देश–शिक्षक पेपर पेंसिल टेस्ट के समय प्रश्न पत्र निर्माण की मूल अवधारणा का ध्यान रखे।

योगात्मक आकलन को सत्रान्त में बिन्दुवार लाइन से पृथक करके "वार्षिक आकलन अभिलेख पंजिका" के साथ फाइल कर विद्यालय अभिलेख के रुप में सुरक्षित रखा जाना है।

प्रारूप – 2 टर्मवार रचनात्मक आकलन का विवरण

प्रथम टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 2

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	अनुक्रमांक → / आवृति ↓	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
अवलोकन और दर्ज करना																															
आस–पास के सार्वजनिक स्थानों का अवलोकन कर पाना।	I																														
	II																														
अपने आस–पास के जलस्रोंतों के बारे में बता पाना।	I																														
	II																														
परिवेश से संबंधित चित्र पठन कर पाना यथा– नहरों, कुओं, नलकूपों इत्यादि।	I																														
	II																														
संप्रेषण (अभिव्यक्ति/चर्चा) करना																															
अवलोकन/जानकारी के आधार पर भोजन की अच्छी आदतों व स्वाद को बता पाना।	I																														
	II																														
विभिन्न मौसम के आधार पर अपने अनुभवों को सुना पाना।	I																														
	II																														
जल के उपयोग पर आपस में चर्चा कर अपने विचार समूह में रख पाना।	I																														
	II																														
वर्गीकरण करना																															
शरीर के अंगों के कार्यों में अंतर कर पाना।	I																														
	II																														
विभिन्न प्रकार की वेशभूषा के बारे में बता पाना।	I																														
	II																														
व्याख्या / विश्लेषण करना																															
भोजन/पानी संबंधी अच्छी आदतों की व्याख्या कर पाना।	I																														
	II																														

प्रश्न करना																															
सार्वजनिक स्थलों के बारे में परिचित एवं अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।	I																														
	II																														
प्रयोग करना																															
विषय–वस्तु से संबंधित उपलब्ध सामग्री से नई चीज बना पाना।	I																														
	II																														
न्याय व समता के प्रति सरोकार																															
अन्यथा सक्षम (दिव्यांग) व सुविधावंचित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील होना।	I																														
	II																														
पर्यावरण के प्रति संवेदनशील होना।	I																														
	II																														
एक–दूसरे के कार्यों का सम्मान व गुणों की प्रशंसा करना																															
अपने से बड़ों का सम्मान कर पाना और कार्यों की प्रशंसा कर पाना।	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														

निर्देश– द्वितीय टर्म के प्रारंभ में पूर्व के टर्म उद्देश्यों का सुदृढ़ीकरण करें।

द्वितीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 2

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	अनुक्रमांक → / आवृति ↓	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
अवलोकन और दर्ज करना																															
आस–पास के मेलों का भ्रमण/अवलोकन कर उनकी जानकारी दे पाना।	I																													
	II																													
स्थानीय परिवेश में पाये जाने वाले जीव–जन्तुओं के आवासों में अन्तर कर पाना।	I																													
	II																													
परिवेश से संबंधित चित्र–पठन कर पाना।	I																													
	II																													
संप्रेषण (अभिव्यक्ति/चर्चा) करना																															
अवलोकन के आधार पर मेले में देखी गई वस्तुओं के प्रति विचार रख पाना।	I																													
	II																													
खाद्य–पदार्थों के स्वाद के प्रति अपने अनुभवों को सुना पाना।	I																													
	II																													
चित्र देखकर प्रेरक लोगों के नाम बता पाना।	I																													
	II																													
वर्गीकरण करना																															
भवन–निर्माण में प्रयुक्त होने वाली सामग्री को पहचान पाना।	I																													
	II																													
आस–पास के घरों को देखकर अंतर कर पाना। (कच्चा, पक्का, मंजिलों व रंग–रोगन के आधार पर)	I																													
	II																													
व्याख्या / विश्लेषण करना																															
आस–पास बोई जाने वाली फसलों की व्याख्या कर पाना।	I																													
	II																													

प्रश्न करना																															
परिचित एवं अपरिचित लोगों से उनके व्यवसाय के बारे में प्रश्न कर पाना।	I																														
	II																														
प्रयोग करना																															
विषयवस्तु से संबंधित उपलब्ध सामग्री से घर के मॉडल, चित्र बना पाना।	I																														
	II																														
न्याय व समता के प्रति सरोकार																															
अन्यथा अक्षम (दिव्यांग) व सुविधावंचित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील होना।	I																														
	II																														
पर्यावरण के प्रति संवेदनशील होना।	I																														
	II																														
एक–दूसरे के कार्यों का सम्मान व गुणों की प्रशंसा करना																															
व्यक्तियों द्वारा किए जाने वाले कार्यो की समझ रख पाना यथा– परिवार के सदस्य, विभिन्न व्यवसायों में कार्यरत लोग।	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														

निर्देश– तृतीय टर्म के प्रारंभ में पूर्व के टर्म उद्देश्यों का सुदृढ़ीकरण करें।

तृतीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 2

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	अनुक्रमांक → / आवृति ↓	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
अवलोकन और दर्ज करना																															
रेखाचित्रों में यातायात/संचार के प्रमुख साधनों की पहचान कर पाना।	I																														
	II																														
परिवेश से संबंधित चित्र–पठन कर पाना	I																														
	II																														
संप्रेषण (अभिव्यक्ति/चर्चा) करना																															
प्रयुक्त ईंधन के आधार पर यातायात के साधनों को बता पाना।	I																														
	II																														
सड़क सुरक्षा से संबंधित अपने अनुभवों को सुना पाना।	I																														
	II																														
आपस में चर्चा कर अपने विचार समूह में रख पाना।	I																														
	II																														
वर्गीकरण करना																															
यातायात/संचार के साधनों में अंतर कर पाना।	I																														
	II																														
बड़े समूह में से उपसमूह बना पाना।	I																														
	II																														
व्याख्या / विश्लेषण करना																															
देखी गई वस्तुओं यथा यातायात/संचार के साधनों की व्याख्या कर पाना।	I																														
	II																														
प्रश्न करना																															
परिचित एवं अपरिचित लोगों से सड़क सुरक्षा व यातायात के संकेतों से संबंधित प्रश्न कर पाना।	I																														
	II																														

प्रयोग करना																															
विषयवस्तु से संबंधित उपलब्ध सामग्री से सड़क सुरक्षा व यातायत संकेत बना पाना।	I																														
	II																														
न्याय व समता के प्रति सरोकार																															
अन्यथा सक्षम (दिव्यांग) व सुविधावंचित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील होना।	I																														
	II																														
पर्यावरण के प्रति संवेदनशील होना।	I																														
	II																														
एक–दूसरे के कार्यों का सम्मान व गुणों की प्रशंसा करना																															
अपने से बड़ों का सम्मान करना और कार्यों की प्रशंसा कर पाना।	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														

निर्देशः– पुनरावृत्ति के दौरान आकलन दर्ज करने के लिए शिक्षक दिए गए सूचकों में उपसूचक लिख कर दर्ज करे।

योगात्मक आकलन को सत्रान्त में बिन्दुवार लाइन से पृथक करके "वार्षिक आकलन अभिलेख पंजिका" के साथ फाइल कर विद्यालय अभिलेख के रुप में सुरक्षित रखा जाना है।

प्रारूप–4 : शिक्षक अनुभव

प्रारूप–5 टर्मवार योगात्मक आकलन

कक्षा : 2

(योगात्मक आकलन की ग्रेड का निर्धारण पोर्टफोलियों, सतत रचनात्मक आकलन चैकलिस्ट कक्षा–कार्य,गृह–कार्य, योजना डायरी की समीक्षा, मौखिक क्रियाएँ, परिचर्चा, कक्षा–कक्षीय प्रक्रियाएँ, शिक्षक अनुभव एवं विद्यार्थी द्वारा किए गए कार्य व पेपर पेन्सिल टेस्ट आदि को ध्यान में रख कर किया जाना है।)

अधिगम क्षेत्रों के सापेक्ष आकलन सूचक	अनुक्रमांक → / टर्म ↓	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
अवलोकन और दर्ज करना																															
आस–पास के सार्वजनिक स्थलों/मेलों/यातायात/संचार के साधनों के रेखाचित्रों को पहचान पाना।	I																													
	III																													
विषयवस्तु आधारित वस्तुओं के बीच अंतर कर पाना, जैसे–जलस्रोत–नहर/कुंए/नलकूप, जीव–जन्तुओं के आवास, यातायात के साधन आदि।	I																													
	III																													
संप्रेषण (अभिव्यक्ति/चर्चा) करना																															
अवलोकन, जानकारी के आधार पर भोजन की अच्छी आदतों/स्वाद, जीव–जन्तु के आवास के बारे में बता पाना।	I																													
	III																													
विषय–वस्तु से संबंधित अपने अनुभवों को सुना पाना जैसे–मौसम से संम्बन्धित, मेले में देखी गई वस्तुएँ, सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित आदि।	I																													
	III																													
आपस में चर्चा कर अपने विचार समूह में रख पाना यथा–जल का उपयोग, प्रेरक लोग आदि।	I																													
	III																													
वर्गीकरण करना																															
शरीर के अंगों के कार्य, घर निर्माण में प्रयुक्त होने वाली सामग्री, यातायात/संचार के साधनों को पृथक कर पहचान पाना।	I																													
	III																													
बड़े समूह में से उपसमूह बना पाना।	I																													
	III																													

योगात्मक आकलन को सत्रान्त में बिन्दुवार लाइन से पृथक करके "वार्षिक आकलन अभिलेख पंजिका" के साथ फाइल कर विद्यालय अभिलेख के रुप में सुरक्षित रखा जाना है।

योगात्मक आकलन को सत्रान्त में बिन्दुवार लाइन से पृथक करके "वार्षिक आकलन अभिलेख पंजिका" के साथ फाइल कर विद्यालय अभिलेख के रुप में सुरक्षित रखा जाना है।

व्याख्या / विश्लेषण करना																														
भोजन/पानी संबंधित अच्छी आदतें, आस–पास पैदा की जाने वाली फसलें, यातायात/संचार के साधनों की व्याख्या कर पाना।	I																													
	III																													
प्रश्न करना																														
परिचित एवं अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना यथा मेले, दर्शनीय स्थल, व्यवसाय, सड़क, यातायात के संकेतों इत्यादि।	I																													
	III																													
प्रयोग करना																														
उपलब्ध सामग्री से नई चीज बना पाना (जैसे–सड़क यातायात के संकेत, घर निर्माण आदि)	I																													
	III																													
प्रयोग के उपकरण व सामग्री का सावधानी पूर्वक उपयोग कर पाना।	I																													
	III																													
विषय–वस्तु के अनुसार तात्कालिक या परिवेश में उपलब्ध सामग्री का उपयोग करते हुए नई चीजें/मॉडल/चार्ट बना पाना।	I																													
	III																													
न्याय व समता के प्रति सरोकार																														
अन्यथा सक्षम (दिव्यांग) व सुविधावंचित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील होना।	I																													
	III																													
पर्यावरण के प्रति संवेदनशील होना।	I																													
	III																													
विशेष योग्यजन एवं बुजुर्ग व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील होना।	I																													
	III																													
सामाजिक एवं पारिवारिक असमानताओं, रूढ़िवादी सोच, जेंडर संवदेनशीलता के प्रति सचेत रहना, उनके संदर्भ में चिंतित होना एवं समाधान के प्रयास कर पाना।	I																													
	III																													

एक–दूसरे के कार्यों का सम्मान व गुणों की प्रशंसा करना																															
अपने से बड़ों का सम्मान कर पाना और कार्यों की प्रशंसा कर पाना।	I																														
	III																														
प्रेरक व्यक्तित्व/गौरवशाली लोगों के कार्यों को समझ कर उनके कार्यो की प्रशंसा कर पाना।	I																														
	III																														
प्रेरक व्यक्तित्व/गौरवशाली लोगों का सम्मान कर पाना।	I																														
	III																														
	I																														
	III																														
	I																														
	III																														
	I																														
	III																														
	I																														
	III																														
	I																														
	III																														

निर्देश–शिक्षक पेपर–पेंसिल टेस्ट के समय प्रश्न पत्र निर्माण की मूल अवधारणों का ध्यान रखे।

नोट :– योगात्मक आकलन में उस टर्म से संबधित रचनात्मक आकलन में दिए गए अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचकों को ध्यान में रखते हुए आकलन किया जाए।

योगात्मक आकलन को सत्रान्त में बिन्दुवार लाइन से पृथक करके "वार्षिक आकलन अभिलेख पंजिका" के साथ फाइल कर विद्यालय अभिलेख के रुप में सुरक्षित रखा जाना है।

प्रारूप – 2 टर्मवार रचनात्मक आकलन का विवरण

प्रथम टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 3

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	अनुक्रमांक → / आवृति ↓	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
अवलोकन और दर्ज करना																															
परिवार के सदस्यों, परिवेश में उपलब्ध पेड़–पौधों / जीव–जन्तुओं / जल–स्रोतों / भोजन से संबंधित सूचनाओं को बता पाना।	I																														
	II																														
दैनिक क्रियाकलाप व स्वच्छता को जान पाना।	I																														
	II																														
विभिन्न खेलों (स्थानीय / इण्डोर / आउटडोर) के नियमों / व्यायाम को पहचान पाना।	I																														
	II																														
विषय–सामग्री से संबंधित तस्वीरों व सारणियों को समझकर पढ़ पाना।	I																														
	II																														
सम्प्रेषण (अभिव्यक्ति / चर्चा) करना																															
विषय–वस्तु से संबंधित सूचनाओं / वर्णन / टिप्पणियों को परिवेशीय अवलोकन / अनुभव / जानकारी के आधार पर व्यवस्थित एवं स्पष्ट रूप से अपने विचार व्यक्त कर पाना (मौखिक / लिखित / रेखाचित्रों / तालिकाओं / चार्ट आदि के माध्यम से)	I																														
	II																														

स्वच्छता/खेलकूद के संबंध में	I																													
रूढ़िबद्धता पर अपने अनुभव/विचार/राय को दूसरों से चर्चा कर अभिव्यक्त कर पाना।	II																													
विषय–वस्तु से संबंधित दूसरों के विचार व राय को सुनकर उचित प्रतिक्रिया व्यक्त कर पाना।	I																													
	II																													
वर्गीकरण करना																														
परिवेशीय जानकारी एवं अवलोकन के आधार पर स्पष्ट अभिलक्षणों को देखकर पहचान पाना।	I																													
	II																													
परिवार/पेड़–पौधों/जीव–जन्तुओं में समानताओं/असमानताओं के आधार पर बड़े समूह में से उपसमूह निर्मित कर पाना।	I																													
	II																													
प्रश्न करना																														
परिवार, दिव्यांग, स्वच्छता, खेल, पेड़–पौधों, जीव–जन्तुओं, जल–संरक्षण एवं भोजन के बारे में जानकारी एकत्रित करने के लिए परिचित एवं अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।	I																													
	II																													
प्रयोग करना																														
विषयवस्तु से संबंधित गतिविधि/जाँच के दौरान प्रत्येक चरण को क्रमबद्ध कर पाना।	I																													
	II																													
विषयवस्तु के अनुसार तात्कालिक या परिवेश में उपलब्ध सामग्री का उपयोग	I																													
	II																													

करते हुए नारा/कविता/मॉडल/चार्ट/ पोस्टर की रचना कर पाना।																															
न्याय व समता के प्रति सरोकार करना																															
दिव्यांगों, बुजुर्ग व्यक्तियों एवं जीव–जन्तुओं के प्रति संवेदनशील होना।	I																														
	II																														
अच्छे–बुरे स्पर्श व जेंडर के सन्दर्भ में व्याप्त रूढ़िबद्धताओं के प्रति सचेत रहते हुए आवाज उठा पाना।	I																														
	II																														
पर्यावरण के प्रति जागरूक रह पाना।	I																														
	II																														
एक–दूसरे के कार्यों का सम्मान व गुणों की प्रशंसा करना																															
घर/विद्यालय/आस–पास के प्रेरक व्यक्तित्व एवं गौरवशाली लोगों के कार्यों का सम्मान कर पाना।	I																														
	II																														
घर/विद्यालय/आस–पास के प्रेरक व्यक्तित्व, गौरवशाली लोगों एवं सहपाठियों के गुणों की प्रशंसा कर पाना।	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														

निर्देश– द्वितीय टर्म के प्रारंभ में पूर्व के टर्म उद्देश्यों का सुदृढ़ीकरण करें।

द्वितीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 3

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	अनुक्रमांक → / आवृति ↓	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
अवलोकन और दर्ज करना																															
परिवेश में उपलब्ध भोजन की विविधता से संबंधित सूचनाओं को बता पाना।	I																														
	II																														
अलग–अलग प्रकार के बर्तन, चूल्हे, ईंधन व भोजन के बारे में जान पाना।	I																														
	II																														
एक निश्चित क्रम में होने वाली प्रक्रियाओं को पहचान पाना। (यथा–भोजन पकाने, मिट्टी के बर्तन व खिलौने बनाने इत्यादि)	I																														
	II																														
विषयवस्तु से संबंधित तस्वीरों, सारणियों, नजरीनक्शों व मानचित्रों में दिए गए संकेतों के आधार पर पढ़ पाना।	I																														
	II																														
सम्प्रेषण (अभिव्यक्ति/चर्चा) करना																															
विषयवस्तु के आधार पर भोजन से संबंधित अच्छी आदतों, गौरवशाली व्यक्तियों के कार्यों, जीव–जन्तुओं के आवास के संबंध में अपने अनुभव/राय/जानकारी/विचारों को व्यवस्थित एवं स्पष्ट रूप से व्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
भोजन के दुरूपयोग/अमानक इकाइयों/ ईंधन के स्रोत/ऐतिहासिक स्थल /महान लोगों से जुड़े अपने अनुभव पर साथियों के साथ चर्चा करना।	I																														
	II																														

विषयवस्तु से संबंधित मुद्दों पर दूसरों के विचार व राय को सुनकर उचित प्रतिक्रिया व्यक्त कर पाना।	I																													
	II																													
वर्गीकरण करना																														
भोजन एवं ईंधन से संबंधित जानकारी को अवलोकन के आधार पर वर्गीकृत कर पाना।	I																													
	II																													
विशेषताओं के आधार पर भोजन/ ईंधन/पक्षियों/जन्तुओं के बड़े समूह में से उपसमूह बना पाना।	I																													
	II																													
वर्तमान तथा पूर्व की वस्तुओं और गतिविधियों (जैसे–कपड़े, बर्तन, खिलौने, व्यवसाय आदि) में अन्तर कर पाना।	I																													
	II																													
व्याख्या/विश्लेषण करना																														
विभिन्न त्योहार, पर्व, आवास व व्यवसाय के अवलोकन के आधार पर व्याख्या करना।	I																													
	II																													
महान एवं गौरवशाली व्यक्तियों के कार्यों की व्याख्या कर पाना।	I																													
	II																													
विषय–वस्तु से संबंधित जानकारियों/ तथ्यों/अमानक इकाइयों का अनुमान/ आकलन/ अवलोकन के आधार पर निष्कर्ष निकाल पाना।	I																													
	II																													

प्रश्न करना																														
भोजन की विविधता और महान लोगों के विषय में जानकारी एकत्रित करने की दृष्टि से परिचित एवं अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।	I																													
	II																													
पर्व, त्योहार, आवास, मानचित्र, आपातकालीन स्थिति, व्यवसाय और व्यवसायी लोगों के विषय में जानकारी एकत्रित करने की दृष्टि से परिचित एवं अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।	I																													
	II																													
प्रयोग करना																														
भोजन/बर्तन/खिलौने आदि बनाने की प्रक्रिया के चरणों को क्रमबद्ध करना।	I																													
	II																													
विषयवस्तु के अनुसार तात्कालिक या परिवेश में उपलब्ध सामग्री का उपयोग करते हुए घर/विद्यालय/ आस–पास के क्षेत्र का चित्र/नजरी नक्शा/सरल मानचित्र/डिजाइन/ त्रिआयामी मॉडल आदि की रचना कर पाना।	I																													
	II																													
न्याय व समता के प्रति सरोकार																														
जीव–जन्तुओं/पेड़–पौधों के प्रति संवेदनशील होना।	I																													
	II																													
सामाजिक एवं पारिवारिक असमानताओं के प्रति सचेत रहना, उनके संदर्भ में चिंतित होना, रूढ़िबद्धताओं के प्रति आवाज उठाना और प्रश्न कर पाना।	I																													
	II																													
ऐतिहासिक घटनाओं/स्थलों के महत्त्व के प्रति जागरूक रह पाना।	I																													
	II																													

एक–दूसरे के कार्यों का सम्मान व गुणों की प्रशंसा करना																																
प्रेरक व्यक्तित्व/गौरवशाली लोगों के कार्य एवं योगदान का सम्मान कर पाना।	I																															
	II																															
प्रेरक व्यक्तित्व/ गौरवशाली/ व्यवसायी/ लोगों के गुणों की प्रशंसा कर पाना।	I																															
	II																															
राष्ट्रीय पर्व, प्रतीक और त्योहारों के बारे में जान पाना।	I																															
	II																															

निर्देश– तृतीय टर्म के प्रारंभ में पूर्व के टर्म उद्देश्यों का सुदृढ़ीकरण करें।

तृतीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 3

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	अनुक्रमांक → / आवृति ↓	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
अवलोकन और दर्ज करना																															
परिवेश में उपलब्ध व्यवसाय/संचार/यातायात के साधनों की पहचान कर पाना।	I																													
	II																														
विभिन्न व्यवसायों/साधनों के बीच अन्तर/ समानता खोज पाना।	I																													
	II																														
विभिन्न व्यवसायों/संचार/यातायात के साधनों के कार्यों की एक निश्चित क्रम में होने वाली प्रक्रियाओं को पहचान पाना।	I																													
	II																														
विषयवस्तु से संबंधित तस्वीरों, सारणियों को समझकर पढ़ पाना।	I																													
	II																														
सम्प्रेषण (अभिव्यक्ति/चर्चा) करना																															
विषयवस्तु के वर्णन, टिप्पणी, सूचनाओं आदि के आधार पर क्षेत्रीय यातायात व संचार के साधनों से संबंधित जानकारी एवं अपने विचारों को व्यवस्थित एवं स्पष्ट रूप से व्यक्त कर पाना।	I																													
	II																														
व्यवसाय/यातायात व संचार के साधनों से संबंधित अपने अनुभव/विचार/राय को दूसरों से चर्चा कर अभिव्यक्त कर पाना।	I																													
	II																														

दूसरों के विचारों व राय को सुनकर उचित प्रतिक्रिया व्यक्त कर पाना।	I																													
	II																													
वर्गीकरण करना																														
विभिन्न व्यवसायों, संचार व यातायात के साधनों को अवलोकन के आधार पर वर्गीकृत कर पाना।	I																													
	II																													
विभिन्न व्यवसाय, संचार व यातायात के साधनों के समानता/असमानता के आधार पर समूह बनाकर पहचान कर पाना।	I																													
	II																													
व्याख्या/विश्लेषण करना																														
संचार व यातायात के साधनों की उपयोगिता की व्याख्या कर पाना।	I																													
	II																													
विषयवस्तु से संबंधित प्रयोग/अनुभवों से मिली जानकारियों, तथ्यों और अवलोकनों के आधार पर निष्कर्ष निकाल पाना।	I																													
	II																													
प्रश्न करना																														
विभिन्न व्यवसाय, संचार व यातायात के साधनों के विषय में जानकारी प्राप्त करने की दृष्टि से परिचित एवं अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।	I																													
	II																													
प्रयोग करना																														
गतिविधि/जाँच के दौरान प्रत्येक चरण को क्रमबद्ध कर पाना।	I																													
	II																													
विषयवस्तु के अनुसार तात्कालिक या परिवेश में उपलब्ध सामग्रियों का उपयोग करते हुए नई चीजें/मॉडल/चार्ट बना पाना।	I																													
	II																													

न्याय व समता के प्रति सरोकार																															
दिव्यांग एवं बुजुर्ग व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील होना।	I																														
	II																														
सामाजिक एवं पारिवारिक असमानताओं के प्रति सचेत रहना, उनके संदर्भ में चिंतित होना व प्रश्न कर पाना।	I																														
	II																														
पर्यावरण के प्रति जागरूक रह पाना।	I																														
	II																														
एक–दूसरे के कार्यों का सम्मान व गुणों की प्रशंसा करना																															
प्रेरक व्यक्तित्व/गौरवशाली लोगों के कार्यों को समझ पाना एवं सम्मान कर पाना।	I																														
	II																														
राष्ट्रीय पर्व, प्रतीक और त्योहारों के बारे में जान पाना।	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														

निर्देशः– पुनरावृत्ति के दौरान आकलन दर्ज करने के लिए शिक्षक दिए गए सूचकों में उपसूचक लिख कर दर्ज करे।

योगात्मक आकलन को सत्रान्त में बिन्दुवार लाइन से पृथक करके "वार्षिक आकलन अभिलेख पंजिका" के साथ फाइल कर विद्यालय अभिलेख के रुप में सुरक्षित रखा जाना है।

प्रारूप –4 : शिक्षक अनुभव

प्रारूप–5 टर्मवार योगात्मक आकलन

कक्षा : 3

(योगात्मक आकलन की ग्रेड का निर्धारण पोर्टफोलियों, सतत रचनात्मक आकलन चैकलिस्ट, कक्षा–कार्य, गृह–कार्य, योजना डायरी की समीक्षा, मौखिक क्रियाएँ, परिचर्चा, कक्षा–कक्षीय प्रक्रियाएँ, शिक्षक अनुभव एवं विद्यार्थी द्वारा किए गए कार्य व पेपर–पेन्सिल टेस्ट आदि को ध्यान में रख कर किया जाना है।)

अधिगम क्षेत्रों के सापेक्ष आकलन सूचक	अनुक्रमांक → / टर्म ↓	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
अवलोकन और दर्ज करना (**टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक – प्रथम टर्म** – हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, हम और हमारा खानपान, **द्वितीय टर्म** – हम और हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, हमारे व्यवसाय, **तृतीय टर्म** – हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन)																														
इन्द्रियों की मदद से संबंधित घटक की विषयवस्तु से सूचनाओं का संग्रह कर पाना।	I																												
	II																												
	III																												
संबंधित घटक से मिलती–जुलती परिस्थितियों/वस्तुओं के बीच अन्तर कर पाना।	I																												
	II																												
	III																												
संबंधित घटक की विषयवस्तु से एक निश्चित क्रम में होने वाली घटनाओं को पहचान पाना।	I																												
	II																												
	III																												
संबंधित विषयवस्तु के चित्रों, सारणियों व मानचित्रों का पठन कर पाना।	I																												
	II																												
	III																												

नोट :– योगात्मक आकलन में उस टर्म से संबधित रचनात्मक आकलन में दिए गए अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचकों को ध्यान में रखते हुए आकलन किया जाए।

योगात्मक आकलन को सत्रान्त में बिन्दुवार लाइन से पृथक करके "वार्षिक आकलन अभिलेख पंजिका" के साथ फाइल कर विद्यालय अभिलेख के रुप में सुरक्षित रखा जाना है।

योगात्मक आकलन को सत्रान्त में बिन्दुवार लाइन से पृथक करके "वार्षिक आकलन अभिलेख पंजिका" के साथ फाइल कर विद्यालय अभिलेख के रुप में सुरक्षित रखा जाना है।

संप्रेषण (अभिव्यक्ति/चर्चा) करना (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक – प्रथम टर्म – हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, हम और हमारा खानपान, **द्वितीय टर्म – हम और** हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, हमारे व्यवसाय, **तृतीय टर्म –** हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन)																																
घटक से संबंधित विषयवस्तु का अवलोकन कर जानकारी एवं विचार को व्यवस्थित व स्पष्ट रुप से व्यक्त कर पाना।	I																															
	II																															
	III																															
अपने अनुभवों को सुना पाना व लिख पाना।	I																															
	II																															
	III																															
समूह में अपने विचार व राय को अभिव्यक्त कर पाना (विषय–वस्तु से संबंधित जानकारी)	I																															
	II																															
	III																															
चर्चा में दूसरों के विचारों को सुनना और उचित प्रतिक्रिया व्यक्त कर पाना।	I																															
	II																															
	III																															
वर्गीकरण करना (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक – प्रथम टर्म – हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, हम और हमारा खानपान, **द्वितीय टर्म – हम और** हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, हमारे व्यवसाय, **तृतीय टर्म –** हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन)																																
घटक से संबंधित विषयवस्तु का अवलोकन द्वारा स्पष्ट लक्षणों के आधार पर समान वस्तुओं के समूह को पहचान पाना।	I																															
	II																															
	III																															
संबंधित विषयवस्तु की किसी एक विशेषता के आधार पर वस्तुओं के बड़े समूह में से उपसमूह निर्मित कर पाना।	I																															
	II																															
	III																															
व्याख्या / विश्लेषण करना (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक – प्रथम टर्म – हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, हम और हमारा खानपान, **द्वितीय टर्म – हम और** हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, हमारे व्यवसाय, **तृतीय टर्म –** हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन)																																
किसी घटना या तथ्य के संभावित कारणों को पहचानना व अनुमान लगा पाना।	I																															
	II																															
	III																															

नोट :– योगात्मक आकलन में उस टर्म से संबधित रचनात्मक आकलन में दिए गए अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचकों को ध्यान में रखते हुए आकलन किया जाए।

अवलोकन एवं संबंधों की व्याख्या करने हेतु विषयवस्तु से संबंधित परिकल्पनाओं का निर्माण कर पाना।	I																													
	II																													
	III																													
प्रयोगों/अनुभवों से मिली जानकारियों और अवलोकनों के आधार पर निष्कर्ष निकाल पाना।	I																													
	II																													
	III																													
प्रश्न करना (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक – प्रथम टर्म – हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, हम और हमारा खानपान, **द्वितीय टर्म – हम और** हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, हमारे व्यवसाय, **तृतीय टर्म –** हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन)																													
घटक से संबंधित विषयवस्तु की जानकारी एकत्रित करने के लिए परिचित/ अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।	I																													
	II																													
	III																													
प्रयोग करना (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक – प्रथम टर्म – हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, हम और हमारा खानपान, **द्वितीय टर्म – हम और** हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, हमारे व्यवसाय, **तृतीय टर्म –** हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन)																													
संबंधित विषय–वस्तु की मानक व अमानक इकाइयों का प्रयोग कर पाना।	I																													
	II																													
	III																													
गतिविधि/जाँच के दौरान प्रत्येक चरण को क्रमबद्ध कर पाना।	I																													
	II																													
	III																													
प्रयोग करना (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक – प्रथम टर्म – हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, हम और हमारा खानपान, **द्वितीय टर्म – हम और** हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, हमारे व्यवसाय, **तृतीय टर्म –** हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन)																													
परिवेश में विषय–वस्तु से संबंधित उपलब्ध सामग्री से नई चीजें बना पाना।	I																													
	II																													
	III																													

नोट :– योगात्मक आकलन में उस टर्म से संबधित रचनात्मक आकलन में दिए गए अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचकों को ध्यान में रखते हुए आकलन किया जाए।

योगात्मक आकलन को सत्रान्त में बिन्दुवार लाइन से पृथक करके "वार्षिक आकलन अभिलेख पंजिका" के साथ फाइल कर विद्यालय अभिलेख के रुप में सुरक्षित रखा जाना है।

योगात्मक आकलन को सत्रान्त में बिन्दुवार लाइन से पृथक करके "वार्षिक आकलन अभिलेख पंजिका" के साथ फाइल कर विद्यालय अभिलेख के रुप में सुरक्षित रखा जाना है।

न्याय व समता के प्रति सरोकार (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक – प्रथम टर्म – हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, हम और हमारा खानपान, **द्वितीय टर्म – हम और** हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, हमारे व्यवसाय, **तृतीय टर्म –** हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन)																															
अन्यथा सक्षम (दिव्यांग) व सुविधावंचित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील होना।	I																														
	II																														
	III																														
सामाजिक व पारिवारिक असमानताओं के प्रति सचेत रहना, उनके संदर्भ में चिंतित होना व प्रश्न कर पाना।	I																														
	II																														
	III																														
पर्यावरण (जीव–जन्तुओं व पेड़–पौधों सहित) को महत्त्व देना।	I																														
	II																														
	III																														
एक–दूसरे के कार्यों का सम्मान व गुणों की प्रशंसा करना (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक – प्रथम टर्म – हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, हम और हमारा खानपान, **द्वितीय टर्म – हम और** हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, हमारे व्यवसाय, **तृतीय टर्म –** हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन)																															
परिवार, समाज व प्रेरक व्यक्तित्व के कार्यों एवं गुणों को समझते हुए उनका सम्मान करना और गुणों को आत्मसात कर पाना।	I																														
	II																														
	III																														
परिवेश में आयोजित तीज–त्योहार, उत्सव, मेले आदि की जानकारी प्राप्त कर उनके महत्त्व को समझ पाना।	I																														
	II																														
	III																														
आपस में मिल–बाँट कर कार्य कर पाना।	I																														
	II																														
	III																														
	I																														
	II																														
	III																														

निर्देश–शिक्षक पेपर–पेंसिल टेस्ट के समय प्रश्न पत्र निर्माण की मूल अवधारणाओं का ध्यान रखे।

नोट :– योगात्मक आकलन में उस टर्म से संबधित रचनात्मक आकलन में दिए गए अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचकों को ध्यान में रखते हुए आकलन किया जाए।

प्रारूप –4 : शिक्षक अनुभव

योगात्मक आकलन को सत्रान्त में बिन्दुवार लाइन से पृथक करके "वार्षिक आकलन अभिलेख पंजिका" के साथ फाइल कर विद्यालय अभिलेख के रुप में सुरक्षित रखा जाना है।

प्रारूप – 2 टर्मवार रचनात्मक आकलन का विवरण

प्रथम टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 4

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	अनुक्रमांक → / आवृति ↓	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
अवलोकन और दर्ज करना																															
इन्द्रियों की मदद से विषय वस्तु (परिवार, फूलों का उपयोग, पेड़–पौधों को जल की आवश्यकता, समूह में व्यवहार) से संबंधित सूचनाओं को बता व दर्ज कर पाना।	I																													
	II																													
एकल एवं संयुक्त परिवार, महिला–पुरुष के लिए अवसर, मिलते–जुलते पेड़–पौधों, फूलों के आकार, जीव–जन्तुओं के बीच अंतर एवं असमानताओं को पहचान पाना।	I																													
	II																													
विभिन्न प्रकार के खेलों की प्रक्रियाओं, जीवों के अपने समूह में व्यवहार के क्रम को पहचान कर व्यक्त कर पाना।	I																													
	II																													
पानी के गुण, भाप बनकर उड़ने की प्रक्रिया, जमाव, वाष्प की शक्ति, मौसम के अनुसार जल स्तर में परिवर्तन को समझ पाना।	I																													
	II																													
विषयवस्तु से संबंधित तस्वीरों व सारणियों को समझकर पढ़ पाना।	I																													
	II																													
सम्प्रेषण (अभिव्यक्ति / चर्चा) करना																															
परिवार, खेल, पेड़–पौधों व जीव–जन्तुओं से संबंधित विषय वस्तु के वर्णन, टिप्पणी, सूचनाओं आदि के अवलोकन, जानकारियों एवं विचारों को व्यवस्थित एवं स्पष्ट रूप से व्यक्त कर पाना। (मौखिक / लिखित / रेखाचित्रों / तालिकाओं / चार्ट आदि के माध्यम से)	I																													
	II																													

विषय वस्तु से संबंधित (समय के साथ परिवार की सोच एवं आकार) अपने अनुभव/विचार/राय को दूसरों से चर्चा कर अभिव्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
दूसरों के विचार व राय को सुनकर उचित प्रतिक्रिया व्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
वर्गीकरण करना																															
क्षेत्र से संबंधित जानकारी एवं अवलोकन के आधार पर स्पष्ट अभिलक्षणों को देखकर पहचान पाना।	I																														
	II																														
अवलोकन के आधार पर स्पष्ट अभिलक्षणों को देखकर समान पेड़–पौधों, जीव–जन्तुओं व फूलों के आकार (रंग, गंध,उपयोग, लक्षणों, आकार, सजावट व औषधीय महत्त्व) के समूह को पहचान कर अंतर व वर्गीकृत कर पाना।	I																														
	II																														
किसी एक विशेषता के आधार पर इनके बड़े समूह में से उपसमूह निर्मित कर पाना।	I																														
	II																														
व्याख्या/विश्लेषण करना																															
अपने अनुभवों के आधार पर परिवेश व संस्कृति (खेलों के महत्त्व, फूलों से जुड़े व्यवसाय, फूलों की वृद्धि व उपलब्धता) की व्याख्या कर पाना।	I																														
	II																														
जल के गुण व उपयोग, संरक्षण, प्रदूषण, शुद्धिकरण व परिघटनाओं का अनुमान आदि की व्याख्या कर पाना।	I																														
	II																														
दैशिक मात्राओं (स्थानीय मानक) तथा नदियों को भारत के मानचित्र में चिह्नित कर पाना तथा ''नमामि गंगे'' कार्यक्रम की व्याख्या कर पाना।	I																														
	II																														

विषयवस्तु (फूलों के डिजाइन, उपयोग, पेड–पौधे की जड़, तने में विविधता एवं पौधारोपण के महत्त्व) से संबंधित जानकारियों, तथ्यों व अवलोकनों के आधार पर व्याख्या/निष्कर्ष कर पाना।	I																												
	II																													
प्रश्न करना																														
परिवार, खेल, पेड़–पौधों, जीव–जन्तुओं एवं ज्ञानेन्द्रियों के विषय में जानकारी एकत्रित करने की दृष्टि से परिचित एवं अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।	I																													
	II																													
कुछ प्रश्नों का उत्तर पूछताछ से नहीं मिल सकता, यह समझ पाना।	I																													
	II																													
प्रयोग करना																														
प्रयोग/गतिविधि/जाँच के दौरान (पेड़–पौधों की सुरक्षा, भाप बनकर उड़ने की प्रक्रिया) प्रत्येक चरण को क्रमबद्ध कर पाना।	I																													
	II																													
प्रयोग के उपकरण व सामग्री का सावधानी पूर्वक उपयोग कर पाना।	I																													
	II																													
विषयवस्तु के अनुसार तात्कालिक या परिवेश में उपलब्ध सामग्री का उपयोग करते हुए नई चीजें/मॉडल/चार्ट बना पाना।	I																													
	II																													
न्याय व समता के प्रति सरोकार																														
विशेष योग्यजन (दिव्यांग) एवं बुजुर्ग व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील होना एवं उचित–अनुचित व्यवहार (गुड टच एवं बेड टच) को समझ पाना।	I																													
	II																													
सामाजिक एवं पारिवारिक असमानताओं, रूढ़िबद्ध सोच, जेंडर संवदेनशीलता के प्रति सचेत रहना, उनके संदर्भ में चिंतित होना एवं समाधान के प्रयास कर पाना।	I																													
	II																													

पर्यावरण के प्रति जागरूक रह पाना।	I																														
	II																														
एक–दूसरे के कार्यों का सम्मान व गुणों की प्रशंसा करना																															
प्रेरक व्यक्तित्व/गौरवशाली लोगों के कार्यों को समझ कर उनके कार्यों की प्रशंसा व सम्मान कर पाना।	I																														
	II																														
आपसी सहयोग की आवश्यकता एवं खेल भावना का ध्यान रख पाना।	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														

निर्देश– द्वितीय टर्म के प्रारंभ में पूर्व के टर्म उददेश्यों का सुदृढ़ीकरण करें।

द्वितीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 4

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	अनुक्रमांक → / आवृति ↓	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
अवलोकन और दर्ज करना																															
परिवेश में उपलब्ध जल, भोजन, सामूहिक भोज, फसल, मेले एवं पक्षियों आदि से संबंधित सूचनाओं का रिकॉर्ड/जानकारियों को बता पाना।	I																														
	II																														
विभिन्न फसलों/पक्षियों की विविधता (चोंच, पंजे, भोजन में सहायक, घोंसला) दाँत, कृषि उत्पादन, रेगिस्तान, जल बहुलता, राष्ट्रगान व राष्ट्रगीत आदि के बीच अन्तर व समानता खोज पाना व पहचान पाना।	I																														
	II																														
एक निश्चित क्रम में होने वाली प्रक्रियाओं, अतीत व वर्तमान के आवास, निर्माण कौशल, सामग्री की बाजार से घर तक पहुँच एवं सफाई का महत्त्व/कचरा निस्तारण/दुष्परिणाम/उपाय को बता पाना।	I																														
	II																														
विषय सामग्री से संबंधित तस्वीरों व सारणियों की जानकारी को समझकर पढ़ पाना।	I																														
	II																														
सम्प्रेषण (अभिव्यक्ति/चर्चा) करना																															
विषयवस्तु के वर्णन, सूचनाओं आदि से प्राप्त जानकारियों के आधार पर अपने विचारों को व्यवस्थित एवं स्पष्ट रूप से व्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
जल और खान–पान से जुड़े अपने अनुभव/विचार/राय को दूसरों से चर्चा कर अभिव्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														

दूसरों के विचार व राय को सुनकर उचित प्रतिक्रिया व्यक्त कर पाना।	I																													
	II																													
वर्गीकरण करना																														
भोजन एवं पक्षियों की चोंच व पंजे से संबंधित जानकारी को अवलोकन के आधार पर वर्गीकृत कर पाना।	I																													
	II																													
किसी एक विशेषता के आधार पर भोजन/पक्षी/फसल/उपकरण/दाल–मसाले/ अनाज/गौरवशाली व्यक्तित्व आदि के बड़े समूह में से उपसमूह निर्मित कर पाना।	I																													
	II																													
व्याख्या/विश्लेषण करना																														
अलग–अलग मौसम की फसलों, फल, सब्जियों, पानी के बारे में एवं घोंसला बनाने की प्रक्रिया की व्याख्या कर पाना।	I																													
	II																													
विषयवस्तु (पंजों के कार्य, जीभ, दाँत का महत्त्व, दुर्व्यसन के परिणाम, मेलों का महत्त्व व प्लास्टिक का पुनःचक्रण) से संबंधित जानकारियों, तथ्यों और अवलोकनों के आधार पर निष्कर्ष निकाल पाना।	I																													
	II																													
प्रश्न करना																														
पक्षियों की चोंच व पंजों की विविधता के बारे में जानकारी एकत्रित करने की दृष्टि से परिचित एवं अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।	I																													
	II																													
विशेष अवसरों पर बनने वाले भोजन की विधि, स्थानीय गौरव, मेले, अतीत व वर्तमान के उपकरण/कौशल से संबंधित जानकारी हेतु प्रश्न कर पाना।	I																													
	II																													

प्रयोग करना																														
प्रयोग/गतिविधि/जाँच के दौरान (मानचित्र में अंकन, जल शुद्विकरण, भोजन को सुरक्षित रखने के तरीके, इद्रियों की सफाई) प्रत्येक चरण को क्रमबद्ध कर पाना।	I																													
	II																													
विषयवस्तु के अनुसार तात्कालिक या परिवेश में उपलब्ध सामग्री का उपयोग करते हुए नई चीजें/मॉडल/चार्ट बना पाना।	I																													
	II																													
न्याय व समता के प्रति सरोकार																														
बालश्रम एवं बाल अधिकारों के प्रति संवेदनशील होना, भोजन की आवश्यकता एवं भोजन को खराब होने से बचाने के प्रति संवदेनशील होना।	I																													
	II																													
सामाजिक, पारिवारिक असमानताओं व पर्यावरण के प्रति सचेत एवं जागरूक रह पाना।	I																													
	II																													
एक–दूसरे के कार्यों का सम्मान व गुणों की प्रशंसा करना																														
राष्ट्रीयता, सदाचार, प्रेरक व्यक्तित्व/गौरवशाली लोगों के कार्यों को समझ पाना।	I																													
	II																													
प्रेरक व्यक्तित्व/गौरवशाली लोगों (महापुरुष, वीरांगना, खिलाड़ी व वैज्ञानिक) एवं राष्ट्रीय प्रतीक का सम्मान कर पाना।	I																													
	II																													
	I																													
	II																													
	I																													
	II																													

निर्देश– तृतीय टर्म के प्रारंभ में पूर्व के टर्म उद्देश्यों का सुदृढ़ीकरण करें।

तृतीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 4

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	अनुक्रमांक → / आवृति ↓	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
अवलोकन और दर्ज करना																															
परिवेश में उपलब्ध कपड़ों (पोशाक) व संचार/यातायात के साधनों/ ऐतिहासिक/ पर्यटन स्थल/सांस्कृतिक विविधिता को पहचान कर दर्ज (रिकॉर्ड) कर पाना।	I																														
	II																														
विभिन्न साधनों/कपड़ों/देशी–विदेशी मुद्रा/ अतीत–वर्तमान के सिक्कों के बीच अन्तर व समानता खोज पाना।	I																														
	II																														
विभिन्न संचार/यातायात के साधनों के उपयोग/ भवन निर्माण की एक निश्चित क्रम में होने वाली प्रक्रियाओं को पहचान पाना।	I																														
	II																														
विषय सामग्री से संबंधित तस्वीरों, सारणियों व मानचित्रों को समझकर पढ़ पाना।	I																														
	II																														
सम्प्रेषण (अभिव्यक्ति/चर्चा)																															
विषयवस्तु के वर्णन, टिप्पणी, सूचनाओं, क्षेत्रीय यातायात व कपड़े एवं विभिन्न व्यवसाय आदि से संबंधित जानकारियों एवं अपने विचारों को व्यवस्थित एवं स्पष्ट रूप से व्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
यात्रा, यातायात के नियम, विभिन्न कपड़ों /प्रथाओं / विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों से संबंधित अपने अनुभव/विचार/राय को दूसरों से चर्चा कर अभिव्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
विरासत/सांस्कतिक विविधता/पेन्टिग/मुद्रा से संबधित दूसरों के विचार/राय को सुनकर उचित प्रतिक्रिया व्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														

वर्गीकरण करना																														
यातायात के साधनों/मानचित्रों/पर्यटन स्थलों/मुद्रा को अवलोकन के आधार पर वर्गीकृत कर पाना।	I																													
	II																													
परिवहन के साधनों/मानचित्रों/पर्यटन स्थलों/मुद्रा/ सांस्कृतिक विविधता (बोली, वेशभूषा और आभूषण) को समानता/असमानता के आधार पर समूह बनाकर पहचान कर पाना।	I																													
	II																													
व्याख्या/विश्लेषण करना																														
वस्त्र बनाने के चरण, घर तक पहुँचने की प्रक्रिया, निर्माण कौशल, यातायात के साधनों, विभिन्न संस्थाओं की भूमिका की उपयोगिता की व्याख्या कर पाना।	I																													
	II																													
विषयवस्तु से संबंधित प्रयोग/अनुभव/दिशा एवं संकेतों के आधार पर मानचित्र को पढ़कर मिली जानकारियों, तथ्यों और अवलोकनों के आधार पर निष्कर्ष निकाल पाना।	I																													
	II																													
प्रश्न करना																														
अतीत और वर्तमान की विभिन्न सांस्कृतिक संस्थाओं आदि की विषय सामग्री को जानने हेतु प्रश्न निर्माण कर पाना।	I																													
	II																													
निर्माण के चरण/कौशल, वितरण प्रणाली, यातायात के साधन, पर्यटक स्थलों, सांस्कृतिक विविधता, संग्रहालय की जानकारी हेतु परिचित एवं अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।	I																													
	II																													
प्रयोग करना																														
प्रयोग/गतिविधि/जाँच के दौरान प्रत्येक चरण को क्रमबद्ध कर पाना (जैसे–वस्त्रों की रंगाई)	I																													
	II																													

क्षेत्रीय आवास का रेखांकित चित्र/नजरी नक्शा बना पाना एवं संकेत चिह्नों का अंकन कर पाना।	I																														
	II																														
विषयवस्तु के अनुसार तात्कालिक या परिवेश में उपलब्ध सामग्री का उपयोग करते हुए नई चीजें/मॉडल/चार्ट/कोलाज/स्क्रेपबुक/साइनबोर्ड बना पाना।	I																														
	II																														
न्याय व समता के प्रति सरोकार																															
सहयात्रियों, विभिन्न प्रकार के काम, विविध सांस्कृतिक, भौगोलिक एवं परिवेशीय लोगों के प्रति संवेदनशील होना।	I																														
	II																														
पर्यावरण, सामाजिक एवं पारिवारिक असमानताओं के प्रति सचेत रहना, उनके संदर्भ में चिंतित होना व मुद्दों को उठा पाना।	I																														
	II																														
एक–दूसरे के कार्यों का सम्मान व गुणों की प्रशंसा करना																															
विभिन्न व्यवसायों में लगे लोगों के कार्यों को समझ पाना।	I																														
	II																														
राजस्थान में बनने वाले वस्त्रों व विभिन्न राज्यों की पोशाकों की प्रशंसा कर पाना।	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														

निर्देशः– पुनरावृत्ति के दौरान आकलन दर्ज करने के लिए शिक्षक दिए गए सूचकों में उपसूचक लिख कर दर्ज करे।

योगात्मक आकलन को सत्रान्त में बिन्दुवार लाइन से पृथक करके "वार्षिक आकलन अभिलेख पंजिका" के साथ फाइल कर विद्यालय अभिलेख के रुप में सुरक्षित रखा जाना है।

प्रारूप–4 : शिक्षक अनुभव

प्रारूप–5 टर्मवार योगात्मक आकलन

कक्षा : 4

(योगात्मक आकलन की ग्रेड का निर्धारण पोर्टफोलियों, सतत रचनात्मक आकलन चैकलिस्ट, कक्षा–कार्य, गृह–कार्य, योजना डायरी की समीक्षा, मौखिक क्रियाएँ, परिचर्चा, कक्षा–कक्षीय प्रक्रियाएँ, शिक्षक अनुभव एवं विद्यार्थी द्वारा किए गए कार्य व पेपर–पेन्सिल टेस्ट आदि को ध्यान में रख कर किया जाना है।)

अधिगम क्षेत्रों के सापेक्ष आकलन सूचक	अनुक्रमांक → / टर्म ↓	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
अवलोकन और दर्ज करना (**टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक – प्रथम टर्म** – हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, **द्वितीय टर्म** – हम और हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, **तृतीय टर्म** – हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन)																														
इन्द्रियों की मदद से संबंधित घटक की विषयवस्तु से सूचनाओं का संग्रह कर पाना।	I																												
	II																												
	III																												
संबंधित घटक की विषयवस्तु से मिलती–जुलती परिस्थितियों/वस्तुओं के बीच अन्तर कर पाना।	I																												
	II																												
	III																												
संबंधित विषयवस्तु से एक निश्चित क्रम में होने वाली घटनाओं को पहचान पाना।	I																												
	II																												
	III																												
संबंधित विषयवस्तु के चित्रों, सारणियों व मानचित्रों का पठन कर पाना।	I																												
	II																												
	III																												

नोट :– योगात्मक आकलन में उस टर्म से संबधित रचनात्मक आकलन में दिए गए अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचकों को ध्यान में रखते हुए आकलन किया जाए।

योगात्मक आकलन को सत्रान्त में बिन्दुवार लाइन से पृथक करके "वार्षिक आकलन अभिलेख पंजिका" के साथ फाइल कर विद्यालय अभिलेख के रुप में सुरक्षित रखा जाना है।

योगात्मक आकलन को सत्रान्त में बिन्दुवार लाइन से पृथक करके "वार्षिक आकलन अभिलेख पंजिका" के साथ फाइल कर विद्यालय अभिलेख के रुप में सुरक्षित रखा जाना है।

संप्रेषण (अभिव्यक्ति/चर्चा) करना (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक – प्रथम टर्म – हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, **द्वितीय टर्म –** हम और हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, **तृतीय टर्म –** हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन)																														
घटक से संबंधित विषयवस्तु का अवलोकन कर जानकारी एवं विचार को व्यवस्थित व स्पष्ट रुप से व्यक्त कर पाना।	I																													
	II																													
	III																													
अपने अनुभवों को सुना पाना व लिख पाना।	I																													
	II																													
	III																													
समूह में अपने विचार व राय को अभिव्यक्त कर पाना।	I																													
	II																													
	III																													
चर्चा में दूसरों के विचारों को सुनना और उचित प्रतिक्रिया व्यक्त करना (विषयवस्तु से संबंधित जानकारी)	I																													
	II																													
	III																													
वर्गीकरण करना (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक – प्रथम टर्म – हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, **द्वितीय टर्म –** हम और हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, **तृतीय टर्म –** हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन)																														
घटक से संबंधित विषयवस्तु का अवलोकन द्वारा स्पष्ट लक्षणों के आधार पर समान वस्तुओं के समूह को पहचान पाना।	I																													
	II																													
	III																													
संबंधित विषयवस्तु की किसी एक विशेषता के आधार पर वस्तुओं के बड़े समूह में से उपसमूह निर्मित कर पाना।	I																													
	II																													
	III																													

नोट :– योगात्मक आकलन में उस टर्म से संबधित रचनात्मक आकलन में दिए गए अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचकों को ध्यान में रखते हुए आकलन किया जाए।

व्याख्या / विश्लेषण करना (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक – प्रथम टर्म – हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, **द्वितीय टर्म –** हम और हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, **तृतीय टर्म –** हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन)																															
किसी घटना या तथ्य के संभावित कारणों को पहचानना व अनुमान लगा पाना।	I																														
	II																														
	III																														
अवलोकन एवं संबंधों की व्याख्या करने हेतु विषयवस्तु से संबंधित परिकल्पनाओं का निर्माण कर पाना।	I																														
	II																														
	III																														
प्रयोगों/अनुभवों से मिली जानकारियों और अवलोकनों के आधार पर निष्कर्ष निकाल पाना।	I																														
	II																														
	III																														
प्रश्न करना (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक – प्रथम टर्म – हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, **द्वितीय टर्म –** हम और हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, **तृतीय टर्म –** हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन)																															
जानकारी एकत्रित करने के लिए परिचित/अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।	I																														
	II																														
	III																														
यह समझना की कुछ प्रश्नों के उत्तर पूछताछ से नहीं मिल सकते।	I																														
	II																														
	III																														
प्रयोग करना (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक – प्रथम टर्म – हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, **द्वितीय टर्म –** हम और हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, **तृतीय टर्म –** हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन)																															
विषय–वस्तु से संबंधित प्रयोग के उपकरणों व सामग्री का सावधानी पूर्वक उपयोग कर पाना।	I																														
	II																														
	III																														

नोट :– योगात्मक आकलन में उस टर्म से संबधित रचनात्मक आकलन में दिए गए अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचकों को ध्यान में रखते हुए आकलन किया जाए।

योगात्मक आकलन को सत्रान्त में बिन्दुवार लाइन से पृथक करके "वार्षिक आकलन अभिलेख पंजिका" के साथ फाइल कर विद्यालय अभिलेख के रुप में सुरक्षित रखा जाना है।

योगात्मक आकलन को सत्रान्त में बिन्दुवार लाइन से पृथक करके "वार्षिक आकलन अभिलेख पंजिका" के साथ फाइल कर विद्यालय अभिलेख के रुप में सुरक्षित रखा जाना है।

मानक व अमानक इकाइयों का प्रयोग कर पाना।	I																												
	II																												
	III																												
विषयवस्तु से संबंधित गतिविधियों के दौरान प्रत्येक चरण को क्रमबद्ध कर पाना।	I																												
	II																												
	III																												
परिवेश में उपलब्ध सामग्री से नई चीजें बना पाना (विषयवस्तु से संबंधित)	I																												
	II																												
	III																												
न्याय व समता के प्रति सरोकार (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक – **प्रथम टर्म** – हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, **द्वितीय टर्म** – हम और हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, **तृतीय टर्म** – हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन)																													
अन्यथा सक्षम (दिव्यांग) व सुविधावंचित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील होना।	I																												
	II																												
	III																												
सामाजिक व पारिवारिक असमानताओं के प्रति सचेत रहना, उनके संदर्भ में चिंतित होना व प्रश्न करना।	I																												
	II																												
	III																												
पर्यावरण (जीव–जन्तुओं व पेड़–पौधों सहित) को महत्त्व देना।	I																												
	II																												
	III																												

नोट :– योगात्मक आकलन में उस टर्म से संबधित रचनात्मक आकलन में दिए गए अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचकों को ध्यान में रखते हुए आकलन किया जाए।

एक–दूसरे के कार्यों का सम्मान व गुणों की प्रशंसा करना (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक – प्रथम टर्म – हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, **द्वितीय टर्म –** हम और हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, **तृतीय टर्म –** हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन)																															
परिवार, समाज व प्रेरक व्यक्तित्व के कार्यों एवं गुणों को समझते हुए उनका सम्मान करना और गुणों को आत्मसात कर पाना।	I																														
	II																														
	III																														
परिवेश में आयोजित तीज–त्योहार, उत्सव, मेले आदि की जानकारी प्राप्त कर उनके महत्त्व को समझ पाना।	I																														
	II																														
	III																														
आपस में मिल–बाँट कर कार्य कर पाना।	I																														
	II																														
	III																														
	I																														
	II																														
	III																														
	I																														
	II																														
	III																														
	I																														
	II																														
	III																														
	I																														
	II																														
	III																														

निर्देश–शिक्षक पेपर पेंसिल टेस्ट के समय प्रश्न पत्र निर्माण की मूल अवधारणों को ध्यान रखे।

नोट :– योगात्मक आकलन में उस टर्म से संबधित रचनात्मक आकलन में दिए गए अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचकों को ध्यान में रखते हुए आकलन किया जाए।

योगात्मक आकलन को सत्रान्त में बिन्दुवार लाइन से पृथक करके "वार्षिक आकलन अभिलेख पंजिका" के साथ फाइल कर विद्यालय अभिलेख के रुप में सुरक्षित रखा जाना है।

प्रारूप – 2 टर्मवार रचनात्मक आकलन का विवरण

प्रथम टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 5

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	अनुक्रमांक → / आवृति ↓	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
अवलोकन और दर्ज करना																															
परिवेश में उपलब्ध जीव–जन्तु/परिवार /पेड़ – पौधों/ खेलों एवं स्वच्छता से संबंधित सूचनाओं को बता पाना।	I																													
	II																													
सम्प्रेषण कौशल (अभिव्यक्ति/चर्चा)																															
एकल एवं संयुक्त परिवार, रिश्ते, वंश–वृक्ष, गोद लेना एवं वंशानुगत समानताएँ एवं अंतर को बता पाना।	I																													
	II																													
ब्रेल–लिपि एवं सांकेतिक भाषा की जानकारी बता पाना।	I																													
स्वच्छता, साफ–सफाई, अपशिष्टों का प्रबंधन, महत्त्व व सुझाव दे पाना, खुले में शौच मुक्ति के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण, श्रम की गरिमा को बता पाना।	II																													
	I																													
ईंधन, वन–संरक्षण तथा वन–संरक्षण हेतु हुए आंदोलन की आवश्यकता, वृक्षारोपण के बारे में अपने तर्कपूर्ण विचार बता पाना।	II																													
	I																													
दैनिक जीवन में जल की आवश्यकता, जल के उपलब्ध होने की प्रक्रिया, तकनीक तथा जल संरक्षण पर चर्चा कर पाना।	II																													
	I																													

वर्गीकरण करना																														
चींटियों के कार्य व बीजों के अंकुरण, समान पेड़–पौधों एवं जीव–जन्तुओं के समूह को देख कर पहचान कर पाना।	I																													
	II																													
किसी एक विशेषता के आधार पर इनके बड़े समूह में से उप समूह निर्मित कर पाना।	I																													
	II																													
व्याख्या/विश्लेषण करना																														
योग, व्यायाम, खेलकूद, सूर्य नमस्कार की आवश्यकता एवं महत्त्व की व्याख्या कर पाना।	I																													
	II																													
बीजों के प्रकीर्णन में जीव–जन्तुओं और मनुष्य की भूमिका/देशी–विदेशी पौधों की जानकारी/पेड़–पौधों, जीव–जन्तुओं तथा मनुष्यों में परस्पर निर्भरता का वर्णन कर पाना।	I																													
	II																													
जल–शुद्धिकरण, जल–स्रोत, वर्षाजल एकत्र तकनीक, सिंचाई के विभिन्न तरीके, साधन, पृथक–पृथक फसल हेतु पानी की आवश्यकता की व्याख्या कर पाना।	I																													
	II																													
जलीय पौधों व जन्तुओं को समझना तथा उनके अनुकूलन/ पशु–पक्षियों की अति संवेदी इन्द्रियों और असाधारण लक्षणों (दृष्टि, गन्ध, श्रवण, नींद) के आधार पर ध्वनि व भोजन के प्रति उनकी प्रतिक्रिया की व्याख्या कर पाना।	I																													
	II																													
प्रश्न करना																														
परिवार की अवधारणा, विस्थापन के कारण, समस्या व नये व्यवसायों के बारे में परिचित एवं अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।	I																													
	II																													

प्रयोग करना																															
दैनिक जीवन में फूंक के माध्यम से किए जाने वाले कार्यों को प्रयोग द्वारा बता पाना।	I																														
	II																														
बीज–अंकुरण के प्रयोग/गतिविधि/जांच के दौरान प्रत्येक चरण को क्रमबद्ध कर पाना एवं प्रयोग के उपकरण व सामग्री का सावधानी पूर्वक उपयोग तथा मॉडल/चार्ट बना पाना।	I																														
	II																														
न्याय व समता के प्रति सरोकार																															
अन्यथा सक्षम (दिव्यांग) व बुर्जुग व्यक्तियों के प्रति संवदनशील होना।	I																														
	II																														
स्वच्छता को महत्त्व देते हुए पर्यावरण के प्रति जागरूक रह पाना।	I																														
	II																														
एक–दूसरे के कार्यो का सम्मान व गुणों की प्रशंसा करना																															
प्रेरक व्यक्तियों/वैज्ञानिकों का सम्मान व उनके कार्यों की प्रशंसा कर पाना।	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														

निर्देशः– पुनरावृत्ति के दौरान आकलन दर्ज करने के लिए शिक्षक दिए गए सूचकों में उपसूचक लिख कर दर्ज करे।

द्वितीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 5

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	अनुक्रमांक → / आवृति ↓	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
अवलोकन और दर्ज करना																															
परिवेश में उपलब्ध जल–स्रोत, सिंचाई के साधनों और खान–पान आदि से संबंधित सूचनाओं/जानकारियों को बता पाना।	I																														
	II																														
खेती करने की प्रक्रिया एवं उपकरणों (परम्परागत व आधुनिक उपकरणों) की जानकारी एवं खेती में किए जाने वाले कार्यों को बता पाना।	I																														
	II																														
सम्प्रेषण (अभिव्यक्ति/चर्चा) करना																															
भोजन, जल–स्रोतों व दूषित–जल से जुड़े अपने अनुभव/विचार/राय को दूसरों से चर्चा कर अभिव्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
जिला व राज्य के मानचित्र का पठन कर पाना/ आपदा तथा आपातकालीन स्थिति से निपटने, ईंधन संरक्षण तथा सामुदायिक सहायता के संबंध में अपने विचार व्यक्त कर पाना एवं सुझाव दे पाना।	I																														
	II																														
वर्गीकरण करना																															
विषय–वस्तु से संबंधित जानकारी को अवलोकन के आधार पर वर्गीकृत कर पाना।	I																														
	II																														

व्याख्या/विश्लेषण करना																															
गन्दे पानी के एकत्रित होने से फैलने वाले रोगों के लक्षणों व निवारण की व्याख्या कर पाना।	I																														
	II																														
तरल पदार्थों के मापन की इकाइयों को पहचान पाना।	I																														
	II																														
भोजन की पाचन–क्रिया, पाचन–तन्त्र के अंगो का महत्त्व, भोजन में पोषक तत्वों का महत्त्व/कमी के प्रभाव तथा कृमि–नियन्त्रण को समझ पाना।	I																														
	II																														
भोजन के दूषित होने/खाद्य–सामग्री के संरक्षण के उपाय व भोजन–संबंधी अच्छी आदतों की जानकारी बता पाना।	I																														
	II																														
वर्तमान तथा अतीत के भवनों/आवासों के निमार्ण में क्षेत्रीय वातावरण(रेगिस्तान, तटीय व बर्फ के घर आदि), आर्थिक स्थिति के आधार पर आए परिवर्तनों की व्याख्या कर पाना।	I																														
	II																														
यातायात के नियमों, वायु एवं ध्वनि–प्रदूषण के कारण, दुष्परिणाम व निवारण के उपायों, विभिन्न प्रकार के ईंधन के बदलते स्वरूप की प्रक्रिया, विवेकपूर्ण उपयोग एवं उपलब्धता की व्याख्या कर पाना।	I																														
	II																														
प्रश्न करना																															
विषय–वस्तु से संबंधित जानकारी एकत्रित करने की दृष्टि से परिचित एवं अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।	I																														
	II																														

प्रयोग करना																															
पानी में घुलनशील व अघुलनशील तैरने व डूबने वाली वस्तुओं का प्रयोग कर निष्कर्ष निकाल पाना तथा अन्य प्रयोग/गतिविधि/ जाँच के दौरान प्रत्येक चरण को क्रमबद्ध कर पाना।	I																													
	II																														
विषय वस्तु के अनुसार तात्कालिक या परिवेश में उपलब्ध सामग्री का उपयोग करते हुए नई चीजें/मॉडल/चार्ट/ क्षेत्रीय आवास का रेखाचित्र/ नजरी नक्शा बना पाना।	I																														
	II																														
न्याय व समता के प्रति सरोकार																															
दूषित जल/भोजन से होने वाले रोगों एवं पर्यावरण के प्रति जागरूक हो पाना।	I																														
	II																														
आपदा प्रभावित, विभिन्न व्यवसायों से जुड़े लोगों के प्रति संवेदनशील हो पाना एवं सामाजिक, पारिवारिक असमानताओं के प्रति सचेत व उसके सन्दर्भ में चितिंत हो पाना।	I																														
	II																														
एक–दूसरे के कार्यो का सम्मान व गुणों की प्रशंसा करना																															
प्रेरक व्यक्तित्व/गौरवशाली लोगों के कार्यो को जानना व उनके गुणों की प्रशंसा/सम्मान कर पाना।	I																														
	II																														
अपने जिले और राज्य की विशेषताओं की प्रशंसा कर पाना।	I																														
	II																														

निर्देशः– पुनरावृत्ति के दौरान आकलन दर्ज करने के लिए शिक्षक दिए गए सूचकों में उपसूचक लिख कर दर्ज करे।

तृतीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 5

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	अनुक्रमांक → / आवृति ↓	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
अवलोकन और दर्ज करना																															
ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर को पहचान पाना ।	I																														
	II																														
विभिन्न किले/दुर्गो/ग्रहों के बीच अन्तर/ समानता को खोज पाना तथा विषय सामग्री से संबंधित तस्वीरों, सारणियों को समझ कर पढ़ पाना।	I																														
	II																														
सम्प्रेषण (अभिव्यक्ति/चर्चा) करना																															
हमारी ऐतिहासिक धरोहरों/स्मारकों के बारे में भ्रमण से अथवा बड़ो से जानकारी प्राप्त कर स्पष्ट रूप से व्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
वर्गीकरण करना																															
राज्य के किले/दुर्ग, आकाशीय पिंडों को अवलोकन के आधार पर वर्गीकृत करना तथा समानता/असमानता के आधार पर समूह में वर्गीकृत कर पाना	I																														
	II																														
दूसरों के विचार व राय को सुनकर उचित प्रतिक्रिया व्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														

व्याख्या/विश्लेषण करना																															
विभिन्न ऐतिहासिक स्मारक/संग्रहालय, धरोहर की जानकारी कर व्याख्या कर पाना।	I																														
	II																														
पर्वतारोही की जीवनी तथा पर्वतारोहण के लिए आवश्यक उपकरणों की जानकारी व्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
अन्तरिक्ष यात्रा हेतु की जाने वाली तैयारियों/ सावधानियों की व्याख्या कर पाना।	I																														
	II																														
सौरमण्डल, चन्द्रमा की कलाओं व सप्त ऋषि मण्डल की व्याख्या व उनका चित्रण कर पाना।	I																														
	II																														
प्रश्न करना																															
किले, दुर्ग, आकाशीय पिण्डों, पर्वतारोहण, चन्द्रमा की कलाओं, सप्तऋषि मण्डल की जानकारी एकत्रित करने की दृष्टि से परिचित एवं अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।	I																														
	II																														
प्रयोग करना																															
पर्वतारोहण से पूर्व की तैयारी एवं पर्वतारोहण के अनुभवों को क्रमबद्ध कर पाना।	I																														
	II																														
तात्कालिक या परिवेश में उपलब्ध सामग्री का उपयोग करते हुए सौरमण्डल के ग्रहों/ सप्तऋषि मण्डल पर्वतारोहण में काम आने वाले उपकरणों, चन्द्रमा की कलाओं का चार्ट/मॉडल बना पाना।	I																														
	II																														

न्याय व समता के प्रति सरोकार																														
पर्यावरण व ऐतिहासिक धरोहरों के प्रति जागरूक रह पाना।	I																													
	II																													
एक–दूसरे के कार्यो का सम्मान व गुणों की प्रशंसा करना																														
हमारे गौरव (पर्वतारोही, अन्तरिक्ष यात्री) की जीवनी से प्रेरणा प्राप्त करना एवं उनके प्रति सम्मान प्रकट कर पाना।	I																													
	II																													
राजस्थान की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर की प्रशंसा कर पाना।	I																													
	II																													
	I																													
	II																													
	I																													
	II																													
	I																													
	II																													
	I																													
	II																													

निर्देशः– पुनरावृत्ति के दौरान आकलन दर्ज करने के लिए शिक्षक दिए गए सूचकों में उपसूचक लिख कर दर्ज करे।

प्रारूप–4 : शिक्षक अनुभव

योगात्मक आकलन को सत्रान्त में बिन्दुवार लाइन से पृथक करके "वार्षिक आकलन अभिलेख पंजिका" के साथ फाइल कर विद्यालय अभिलेख के रुप में सुरक्षित रखा जाना है।

प्रारूप–5 टर्मवार योगात्मक आकलन

कक्षा : 5

(योगात्मक आकलन की ग्रेड का निर्धारण पोर्टफोलियों, सतत रचनात्मक आकलन चैकलिस्ट, कक्षा–कार्य, गृह–कार्य, योजना डायरी की समीक्षा, मौखिक क्रियाएँ, परिचर्चा, कक्षा–कक्षीय प्रक्रियाएँ, शिक्षक अनुभव एवं विद्यार्थी द्वारा किए गए कार्य व पेपर–पेन्सिल टेस्ट आदि को ध्यान में रख कर किया जाना है।)

अधिगम क्षेत्रों के सापेक्ष आकलन सूचक	अनुक्रमांक → / टर्म ↓	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
अवलोकन और दर्ज करना (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक – **प्रथम टर्म** – हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, **द्वितीय टर्म** – अनमोल जल, हम और हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन, **तृतीय टर्म** – हमारे यातायात और संचार के साधन)																														
इन्द्रियों की मदद से संबंधित घटक की विषय–वस्तु से सूचनाओं का संग्रह कर पाना।	I																												
	II																												
	III																												
संबंधित घटक की विषय–वस्तु से मिलती–जुलती परिस्थितियों/वस्तुओं के बीच अन्तर कर पाना।	I																												
	II																												
	III																												
विषय–वस्तु से संबंधित एक निश्चित क्रम में घटित होने वाली घटनाओं को पहचान पाना।	I																												
	II																												
	III																												
विषय–वस्तु से संबंधित चित्रों, सारणियों व मानचित्रों का पठन कर पाना।	I																												
	II																												
	III																												

नोट :– योगात्मक आकलन में उस टर्म से संबधित रचनात्मक आकलन में दिए गए अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचकों को ध्यान में रखते हुए आकलन किया जाए।

संप्रेषण कौशल (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक – प्रथम टर्म – हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, **द्वितीय टर्म –** अनमोल जल, हम और हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन, **तृतीय टर्म –** हमारे यातायात और संचार के साधन)																																
विषय–वस्तु से संबंधित अवलोकन/ जानकारी एवं विचार को व्यवस्थित कर स्पष्ट रुप से व्यक्त कर पाना।	I																															
	II																															
	III																															
अपने अनुभवों को सुना पाना व लिख पाना।	I																															
	II																															
	III																															
समूह में अपने विचार व राय को अभिव्यक्त कर पाना।	I																															
	II																															
	III																															
विषय–वस्तु से संबंधित चर्चा में दूसरें के विचारों को सुनना और उचित प्रतिक्रिया व्यक्त करना।	I																															
	II																															
	III																															
वर्गीकरण करना (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक – प्रथम टर्म – हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, **द्वितीय टर्म –** अनमोल जल, हम और हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन, **तृतीय टर्म –** हमारे यातायात और संचार के साधन)																																
अवलोकन के आधार पर स्पष्ट लक्षणों को देखकर समान वस्तुओं के समूह को पहचान पाना।	I																															
	II																															
	III																															
किसी एक विशेषता के आधार पर वस्तुओं के बड़े समूह में से उपसमूह निर्मित कर पाना।	I																															
	II																															
	III																															

नोट :– योगात्मक आकलन में उस टर्म से संबधित रचनात्मक आकलन में दिए गए अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचकों को ध्यान में रखते हुए आकलन किया जाए।

योगात्मक आकलन को सत्रान्त में बिन्दुवार लाइन से पृथक करके "वार्षिक आकलन अभिलेख पंजिका" के साथ फाइल कर विद्यालय अभिलेख के रुप में सुरक्षित रखा जाना है।

योगात्मक आकलन को सत्रान्त में बिन्दुवार लाइन से पृथक करके "वार्षिक आकलन अभिलेख पंजिका" के साथ फाइल कर विद्यालय अभिलेख के रुप में सुरक्षित रखा जाना है।

व्याख्या / विश्लेषण करना (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक – प्रथम टर्म – हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, **द्वितीय टर्म** – अनमोल जल, हम और हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन, **तृतीय टर्म** – हमारे यातायात और संचार के साधन)																															
किसी घटना या तथ्य के संभावित कारणों को पहचानना व अनुमान लगा पाना।	I																														
	II																														
	III																														
अवलोकन एवं संबंधों की व्याख्या करने हेतु परिकल्पनाओं का निर्माण कर पाना।	I																														
	II																														
	III																														
प्रयोगों/अनुभवों से मिली जानकारियों और अवलोकनों के आधार पर निष्कर्ष निकाल पाना।	I																														
	II																														
	III																														
प्रश्न करना (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक – प्रथम टर्म – हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, **द्वितीय टर्म** – अनमोल जल, हम और हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन, **तृतीय टर्म** – हमारे यातायात और संचार के साधन)																															
जानकारी एकत्रित करने के लिए परिचित/अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।	I																														
	II																														
	III																														
यह समझना की कुछ प्रश्नों के उत्तर पुछताछ से नहीं मिल सकते।	I																														
	II																														
	III																														
प्रयोग करना (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक – प्रथम टर्म – हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, **द्वितीय टर्म** – अनमोल जल, हम और हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन, **तृतीय टर्म** – हमारे यातायात और संचार के साधन)																															
प्रयोग के उपकरण व सामग्री का सावधानी पूर्वक उपयोग कर पाना।	I																														
	II																														
	III																														

नोट :– योगात्मक आकलन में उस टर्म से संबधित रचनात्मक आकलन में दिए गए अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचकों को ध्यान में रखते हुए आकलन किया जाए।

मानक व अमानक इकाइयों का प्रयोग कर पाना।	I																														
	II																														
	III																														
गतिविधि/जाँच के दौरान प्रत्येक चरण को क्रमबद्ध कर पाना।	I																														
	II																														
	III																														
परिवेश में उपलब्ध सामग्री से नई चीजें बना पाना।	I																														
	II																														
	III																														
न्याय व समता के प्रति सरोकार (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक – प्रथम टर्म – हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, **द्वितीय टर्म –** अनमोल जल, हम और हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन, **तृतीय टर्म –** हमारे यातायात और संचार के साधन)																															
अन्यथा सक्षम (दिव्यांग) व सुविधावंचित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील होना।	I																														
	II																														
	III																														
सामाजिक व पारिवारिक असमानताओं के प्रति सचेत रहना, उनके संदर्भ में चिंतित होना व प्रश्न करना।	I																														
	II																														
	III																														
पर्यावरण (जीव–जन्तुओं व पेड़–पौधों सहित) को महत्त्व देना।	I																														
	II																														
	III																														
एक–दूसरे के कार्यों का सम्मान व गुणों की प्रशंसा करना (टर्मवार निर्धारित अधिगम क्षेत्र/घटक – प्रथम टर्म – हमारा परिवेश एवं संस्कृति, अनमोल जल, **द्वितीय टर्म –** अनमोल जल, हम और हमारा खानपान, हमारे गौरव, हम सबके घर, हमारे व्यवसाय, हमारे यातायात और संचार के साधन, **तृतीय टर्म –** हमारे यातायात और संचार के साधन)																															
परिवार, समाज व प्रेरक व्यक्तित्व के कार्यों एवं गुणों को समझते हुए उनका सम्मान करना और गुणों को आत्मसात कर पाना।	I																														
	II																														
	III																														

नोट :– योगात्मक आकलन में उस टर्म से संबधित रचनात्मक आकलन में दिए गए अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचकों को ध्यान में रखते हुए आकलन किया जाए।

योगात्मक आकलन को सत्रान्त में बिन्दुवार लाइन से पृथक करके "वार्षिक आकलन अभिलेख पंजिका" के साथ फाइल कर विद्यालय अभिलेख के रुप में सुरक्षित रखा जाना है।

योगात्मक आकलन को सत्रान्त में बिन्दुवार लाइन से पृथक करके "वार्षिक आकलन अभिलेख पंजिका" के साथ फाइल कर विद्यालय अभिलेख के रुप में सुरक्षित रखा जाना है।

परिवेश में आयोजित तीज–त्योहार, उत्सव, मेले आदि की जानकारी प्राप्त कर उनके महत्त्व को समझ पाना।	I																														
	II																														
	III																														
आपस में मिल–बाँट कर कार्य कर पाना।	I																														
	II																														
	III																														
	I																														
	II																														
	III																														
	I																														
	II																														
	III																														

निर्देश–शिक्षक पेपर पेंसिल टेस्ट के समय प्रश्न पत्र निर्माण की मूल अवधारणों को ध्यान रखे।

नोट :– योगात्मक आकलन में उस टर्म से संबधित रचनात्मक आकलन में दिए गए अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचकों को ध्यान में रखते हुए आकलन किया जाए।

टिप्पणी

"आपकी सजगता, बच्चे की सुरक्षा"

बाल अधिकारिता विभाग राजस्थान सरकार

20/198, सेक्टर-2, कावेरी पथ, के.एल. सैनी स्टेडियम के पास मानसरोवर, जयपुर फोन : 0141-2399335

Email : ccosjerajasthan@gmail.com, dcr@rajasthan.gov.in • Website : www.dcrraj.in

आओ ! कुछ अच्छा सोचें, कुछ अच्छा करें।

खुद को ..., अपनी अच्छी सोच को ... आसमान छूने दें !

राजस्थान प्रारम्भिक शिक्षा परिषद्

ब्लॉक-5, डॉ. एस. राधाकृष्णन शिक्षा संकुल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर (राजस्थान)